तापमान
अधिकतम 21.6 डिग्री
न्यूनतम 1.6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 11 जनवरी 2026

12 तेलू राम मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सैनी धर्मशाला ...

12 सब्जी कारोबारियों को नहीं मिल रही बुनियादी ...

खबर संक्षेप

व्यक्ति से बहला फुसला कर हड़पे 40 हजार रुपये

यमुनानगर। शहर की पुरानी सब्जी मंडी के पास एटीएम से पैसे निकाल कर घर जा रहे व्यक्ति से अज्ञात ने बहला फुसला कर 40 हजार रुपए ठग लिए। जब उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

चोरीशुदा मोबाइल बरामद, एक काबू

करनाल। जिला पुलिस करनाल की अपराध अन्वेषण शाखा-3 ने मोबाइल चोरी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरीशुदा मोबाइल फोन बरामद किया है। यह कार्रवाई विश्वसनीय सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संदीप कुमार, निवासी दाहा, जिला करनाल, के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को नई अनाज मंडी, करनाल क्षेत्र से काबू किया।

सट्टा खेलते आरोपी को पकड़ा, 13470 रुपये बरामद

करनाल। जिला पुलिस करनाल द्वारा अवैध सट्टेबाजी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बुटाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पर्ची के माध्यम से सट्टा खेलते हुए एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई उप-निरीक्षक संदीप कुमार के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरदीप सिंह, निवासी तरावड़ी, जिला करनाल, के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से 13 हजार 470 रुपये नकद बरामद किए हैं, जो सट्टेबाजी से संबंधित बताए गए हैं।

मारपीट व नगदी चोरी का दूसरा आरोपी काबू

इसराना। थाना इसराना पुलिस ने गांव इसराना में 9 दिसंबर की रात किराना दुकान में घुसकर मारपीट व गल्ले से नगदी चोरी की वारदात में शामिल दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान इसराना निवासी अनिल उर्फ प्राण के रूप में हुई है। थाना इसराना प्रभारी सब इंस्पेक्टर महीपाल ने बताया कि आरोपी अनिल को पकड़ने के लिए थाना इसराना पुलिस की टीम आरोपी के संभावित ठीकानों पर दबिश दे रही थी।

फर्जी दस्तावेज से कनेक्शन ट्रांसफर कराने का आरोपी धरा

इसराना। थाना इसराना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज से ट्यूबवेल कनेक्शन ट्रांसफर कराने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बुडशाम गांव निवासी राममेहर के रूप में हुई है। थाना इसराना प्रभारी सब इंस्पेक्टर महीपाल ने बताया कि एसडीओ ने थाना इसराना में दी शिकायत में बुडशाम निवासी रामेहर पुत्र बलवंत पर अपने पिता के नाम का ट्यूबवेल कनेक्शन फर्जी दस्तावेज देकर अपने नाम कराने का आरोप लगाया था।

दुकान में घुसकर चुराया हजारों रुपये का सामान

यमुनानगर। शहर के डाबड़ा अस्पताल के नजदीक स्थित दुकान में घुसकर चोरों ने हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खड़ी कार में लगी आग पुलिस ने शुरू की जांच

अंबाला। डीआरएम कार्यालय में कार्यरत स्टेशन मास्टर अनीषा कुमारी की शास्त्री कॉलोनी की मुख्य रोड किनारे खड़ी वरना कार में आग लग गई। अनीषा रात के समय कार को खड़ी करने के बाद किराये के कमरे में चली गई थी। सुबह आकर देखा तो कार जली हुई थी। 6 जनवरी की रात को करीब 3 बजे कार संदिग्ध परिस्थितियों में धू-धू कर जल रही थी। दमकल विभाग की गाड़ी ने मौके पर आकर काबू पाया था।

खेलो इंडिया महिला रोड साइक्लिंग लीग नॉर्थ जोन इवेंट का भव्य शुभारंभ

सीनियर महिला वर्ग की 30 किमी व्यक्तिगत टाइम ट्रायल प्रतियोगिता में हरियाणा की पारुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, खेलो इंडिया तथा हरियाणा स्टेट साइक्लिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में अस्मिता खेलो इंडिया महिला रोड साइक्लिंग लीग-नॉर्थ जोन इवेंट का सफल आयोजन शाहबाद मारकंडा, कुरुक्षेत्र में किया गया। प्रतियोगिता में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से पहुंची महिला साइकिलिस्टों ने उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सीनियर महिला वर्ग की 30 किमी व्यक्तिगत टाइम ट्रायल प्रतियोगिता में हरियाणा की पारुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कुरुक्षेत्र। अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

लड़कियों के लिए इस तरह की प्रतियोगिताएं अत्यंत महत्वपूर्ण

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, बल्कि महिलाएं आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की दिशा में भी सशक्त होती हैं। आयोजकों द्वारा की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की गई। हरियाणा स्टेट साइक्लिंग एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि युवाओं, विशेषकर लड़कियों के लिए इस तरह की प्रतियोगिताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन आयोजनों से खेल संस्कृति को मजबूती मिलती है और खिलाड़ियों के लिए भविष्य में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के मार्ग प्रशस्त होते हैं।

जूनियर महिला वर्ग की 20 किमी व्यक्तिगत टाइम ट्रायल स्पर्धा में पंजाब का हर्षिता प्रथम

साइक्लिंग के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए जाते रहेंगे। सीनियर महिला वर्ग की 30 किलोमीटर व्यक्तिगत टाइम ट्रायल स्पर्धा में हरियाणा की पारुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पंजाब की रेजिया दूसरे और चंडीगढ़ की रीत तीसरे स्थान पर रहीं। जूनियर महिला वर्ग की 20 किलोमीटर व्यक्तिगत टाइम ट्रायल स्पर्धा में पंजाब की हर्षिता जाखड़ ने प्रथम, हरियाणा की वंशिका ने द्वितीय तथा आशूरिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान आयोजन स्थल पर खेल प्रेमियों की अच्छी खासी मौजूदगी रही। सफल आयोजन से क्षेत्र में खेलों के प्रति उत्साह का माहौल देखने को मिला और महिला साइक्लिंग को एक नई दिशा मिली। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की एथलीट्स कमीशन के कन्वीनर जगदीप सिंह काहलों, पुरषोतम सिंह, साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पीसीपी गुरनाम सिंह, जसबीर सिंह भुल्लर, कुलदीप सिंह साइक्लिंग कोच, सुनील कुमार, समीर कुमार, प्रवीन कुमार सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

19 जनवरी को आदिबद्री सरस्वती कुंड से किया जाएगा महोत्सव का शुभारंभ

सीएम नायब सिंह सैनी अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का शुभारंभ करेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड द्वारा 19 जनवरी से 23 जनवरी तक अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2026 भव्य रुप से मनाया जाएगा। महोत्सव का शुभारंभ 19 जनवरी को आदिबद्री स्थित सरस्वती कुंड से किया जाएगा। वहीं, महोत्सव का समापन 23 जनवरी को पेहवा स्थित सरस्वती तीर्थ स्थल पर किया जाएगा। उक्त जानकारी हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने आदिबद्री स्थित गरुड़ टूरिस्ट कांप्लेक्स में आयोजित संबंधित अधिकारियों की बैठक में दी। मौके पर हरियाणा विद्युत नियामक बोर्ड के सदस्य मुकेश गर्ग भी मौजूद रहे। बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने कहा कि हरियाणा के मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का विधिवत शुभारंभ करेंगे। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का शुभारम्भ 19 जनवरी को होगा और 23 जनवरी को सरस्वती तीर्थ पेहोवा कुरुक्षेत्र में समापन होगा। उन्होंने बताया कि सरस्वती सरोवर पर हवन यज्ञ, श्लोक उच्चारण व आरती होगी।

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव को भव्य बनाने को लेकर मंथन

हरियाणा सरस्वती विकास बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने बताया कि आदिबद्री में सरस्वती सरोवर पर स्वदेशी थीम पर आधारित सरस मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें स्वयं सहायता समूह द्वारा 20 स्टाल लगाए जाएंगे।

महोत्सव का 23 जनवरी को सरस्वती तीर्थ पिहोवा में होगा समापन

यमुनानगर। आदिबद्री में सरस्वती महोत्सव को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच। फोटो : हरिभूमि

स्कूली बच्चे देंगे प्रस्तुति

विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा सरस्वती पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। स्कूली स्तर के बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। मुख्यमंत्री द्वारा प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। धूमन ने बताया कि आदिबद्री में सरस्वती सरोवर पर स्वदेशी थीम पर आधारित सरस मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें स्वयं सहायता समूह द्वारा लगभग 20 स्टाल लगाए जाएंगे।

भारतीय संस्कृति के बोए बीज

बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने कहा कि वैदिक सरस्वती, छह हजार ईसा पूर्व के दौरान उत्तर पश्चिम भारत की एक शक्तिशाली और पवित्र नदी थी। जो पंजाब, हरियाणा और राजस्थान से होकर गुजरती थी और अंत में गुजरात तट पर कच्छ के रण में गिरती थी। करीब तीन हजार ईसा पूर्व में लुप्त हो गई थी। सरस्वती नदी के तट पर भारतीय संस्कृति के बीज बोए गए थे।

आदिबद्री सरस्वती कुंड प्राचीन तीर्थ स्थलों में से एक

जो समय के साथ प्राचीन दुनिया की एक महान सभ्यता के रूप में विकसित हुई। इसे दुनिया के सबसे प्राचीन तीर्थस्थलों में से एक के रूप में जाना जाता है। वेद, ब्राह्मण और उपनिषद जैसे कई महान साहित्यिक शब्दों की रचना और संकलन इतिहास के सबसे सुदूर हिस्से में सरस्वती नदी और उसकी सहायक नदियों के तट पर किया गया था। मौके पर व्यासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, आर्कियोलॉजिकल विभाग के डिप्टी डायरेक्टर नरेंद्र परमार, डीडीपीओ नरेंद्र सिंह, व्यासपुर के डीएसपी हरविंदर सिंह, नायब तहसीलदार व्यासपुर रविंद्र कुमार, बीईओ नरेश पाल व सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के सदस्य लक्ष्य बिंद्रा, राजन प्रकाश,ऋषि पाल, संदीप बालियान व अनिल गुप्ता लाडवा आदि मौजूद रहे।

अंबाला में तीन बदमाश झपटा मार रहे थे

महिला ने दिखाई बहादुरी मोबाइल चोर को पकड़वाया

घिरता देख तीन बदमाशों में दो बाइक छोड़कर भाग गए लेकिन एक को पकड़ लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला छावनी के रेलवे रोड पर एक महिला ने अपनी बहादुरी से झपटमारों के पसीने छुड़ा दिए। न्यू शालीमार कॉलोनी की रहने वाली सिमरन ने न केवल अपने मोबाइल को छीने जाने से बचाया, बल्कि निडरता दिखाते हुए झपटमारों की बाइक भी गिरवाकर एक को मौके पर ही पकड़वा दिया। खुद को घिरता देख तीन में से दो बदमाश अपनी बाइक मौके पर ही छोड़कर पैदल भागने पर मजबूर हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पकड़े गए आरोपी की पहचान फुलेल माजरा के अंकित के रूप में हुई है। सिमरन की शिकायत पर अंबाला कैंट थाना पुलिस ने छीनाझपटी व अपराध करने का प्रयास करने की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सिमरन ने बताया कि वह एरियन हेल्थ केयर कंपनी में काम करती है। शाम 5 बजकर 30 मिनट पर घर लौट रही थी। जैसे ही वह एसडीएम कार्यालय के निकट रेलवे रोड पर पहुंची तो तभी बाइक सवार तीन युवकों ने साथ में बाइक लगाते हुए मोबाइल झपटने का प्रयास किया। घबराने के बजाय पूरी ताकत के साथ एक बदमाश की बाजू पकड़ ली। इससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और तीनों बदमाश सड़क पर गिर पड़े। दो झपटमार बाइक छोड़ गलियों में हुए रफूचक्कर मुख्य सड़क पर गिरने के बाद बदमाशों ने भागने की कोशिश की, लेकिन महिला के साहस और आसपास के लोगों के इकट्ठा होने के डर से दो आरोपी इतने घबरा गए बाइक छोड़कर भाग गए।

घर में घुसकर तीन भाइयों पर बोला हमला

यमुनानगर। छछरौली थाना क्षेत्र के गांव रेडे माजरा इब्राहिमपुर में कहासुनी होने पर कुछ युवकों ने घर में घुसकर तीन भाइयों पर हमला कर दिया। आरोपियों ने कुल्हाड़ी से वार कर अंगूठे पर वार किया जिससे अंगूठे में फ्रैक्चर कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पांचों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव इब्राहिमपुर निवासी तासिम ने छछरौली थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले गांव के ही असलम व सलीम के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था। इसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगे। तासीम ने बताया कि तीन जनवरी को रात 11 बजे वह अपने घर पर सोए हुए थे। इस दौरान असलम व सलीम ने अपने साथियों हाशिम, साजिद व कुर्बान के साथ मिलकर उनके घर में घुसकर उस पर तथा उसके भाइयों अकरम व नूर मोहम्मद पर हमला कर दिया।

कार की टक्कर से बाइकर्स की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

गांव मिल्क माजरा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव पालेवाला निवासी शुभम कुमार ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई 28 वर्षीय रजत शर्मा अपनी बाइक पर आठ जनवरी को किसी काम से गया था। शाम को साढ़े पांच बजे जब वह वापस घर लौट रहा था तो मिल्क माजरा के पास तेज गति से आ रही कार ने उसके भाई रजत शर्मा की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रजत गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी कार चालक कुछ देर मौके पर रुकने के बाद वहां से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना डायल 112 पुलिस टीम को दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

यमुनानगर के मिल्क माजरा के पास हुआ हादसा

शिक्षा मंत्री ने अटल संचार भवन का उद्घाटन किया

कुरुक्षेत्र। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा को हस्तनिर्मित पोट्रेट भेंट करते विद्यार्थी।

छात्रों की कला व संवेदनशीलता ही समाज को नई दिशा देगी: ढांडा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने शुक्रवार को संस्थान के अटल संचार भवन का भव्य उद्घाटन किया। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित यह भवन आने वाले समय में देश के लिए संस्कारवान और प्रखर पत्रकार तैयार करने का केंद्र बनेगा। इस गरिमामयी समारोह का सबसे विशेष आकर्षण विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा रही। मीडिया संस्थान के प्रतिभावान छात्रों ने अपनी तूलिका और रंगों के जादू से मुख्य अतिथि महीपाल ढांडा और स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह-संगठक सतीश के अत्यंत सुंदर और जीवंत पोट्रेट तैयार किए। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह-संगठक सतीश सतीश ने अपने-अपने चित्रों को देखकर छात्रों की कला की जमकर प्रशंसा की।

कुवि: अनुसंधान कार्यप्रणाली पर कार्यशाला

शोध मौलिक समाधान खोजने की प्रक्रिया: प्रो. राकेश कुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में शोध को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग द्वारा एक सप्ताह की अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम के अंत में अंतिम सत्र के मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार व डॉ. वनीता ढींगरा ने इस कार्यशाला के आयोजन की पहल की सराहना की और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि अनुसंधान केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज की समस्याओं का मौलिक समाधान खोजने की एक प्रक्रिया है। शोधार्थियों को तकनीक और नैतिकता का सही संतुलन बनाकर वैश्विक स्तर का गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य करना चाहिए। कार्यशाला के समापन दिवस पर गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, हिसार से आमंत्रित डॉ. वीके बिश्नोई ने फैक्टर एनालिसिस विषय पर तथा दूसरे सेशन डॉ. दिनेश गुप्ता ने राइटिंग क्वालिटी रिसर्च पेपर विषय पर व्याख्यान दिया।

कुरुक्षेत्र। शोधार्थी को प्रमाण पत्र देते प्रो. राकेश कुमार और डॉ. वनीता।

मौसम

धुंध के बादल छाए रहने से अच्छी धूप नहीं निकल रही

पानी की कमी से फसल पीले पड़ने और बालियां छोटी होने का खतरा

बारिश नहीं होने से गेहूं की फसल में ग्रोथ हुई धीमी किसानों को फसल की पैदावार कम होने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

सर्दी के मौसम में बारिश नहीं होने और पिछले करीब बीस दिन से आए दिन घना कोहरा छाए रहने व आसमान में धुंध के बादलों के साथ शीतलहर चलने से गेहूं की फसल में ग्रोथ नहीं बन रही है। किसानों ने गेहूं की फसल में ग्रोथ नहीं बनने से फसल की पैदावार कम होने की आशंका जताई है। उन्हें आशंका है कि इस बार गेहूं की पैदावार कम होने से उन्हें आर्थिक नुक्सान झेलना पड़ सकता है।

किसान पवन कुमार, रविंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, मायाराम, राजबीर सिंह, गुलाब सिंह व राज सिंह आदि का कहना है कि किसानों को जहां फसलों के लागत के अनुरूप दाम नहीं मिल रहे हैं। वहीं, मौसम भी उनके साथ बेरूखी करने लगा है। इसका उदाहरण यह है कि इस बार सर्दी के मौसम में जहां बारिश नहीं हुई है। वहीं, जिस समय गेहूं के ग्रोथ करने का समय था उस समय अच्छी धूप नहीं खिल रही है। आलम यह है कि पिछले करीब बीस दिन से सुबह के वक्त घना कोहरा पड़ता रहा है और आसमान में धुंध के बादल छाए रहने से अच्छी धूप नहीं निकल रही है। मौसम में सुखी ठंड बनी हुई है।

जिसकी वजह से गेहूं की अगेती व पछेती फसल अभी तक पूरी तरह ग्रोथ नहीं कर सकी हैं। जिससे गेहूं की पैदावार कम होने की आशंका बन गई है। किसानों ने प्रदेश सरकार से किसानों की समस्या को देखते हुए इस बार गेहूं की फसल पर प्रति क्विंटल कम से कम पांच सौ रुपये बोनस दिए जाने की मांग की है।

यमुनानगर। क्षेत्र में खेत में खड़ी हुई अगेती गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

लागत के अनुरूप गेहूं के दामों में बढ़ोत्तरी करे सरकार

भारतीय किसान संघ के प्रदेश महामंत्री रामबीर सिंह चौहान ने बताया कि इस बार मौसम गेहूं की फसल के अनुकूल नहीं चल रहा है। सर्दी का मौसम अब बीतने को है और कुछ ही दिनों में बसंत ऋतु शुरु हो जाएगी। गेहूं की फसल सर्दी के मौसम में ग्रोथ करती है। मगर इस बार सर्दी के दिसंबर व जनवरी माह में अब तक बारिश नहीं हुई है। जिससे गेहूं की पैदावार कम होने की आशंका है। उन्होंने सरकार से लागत के अनुरूप गेहूं के दाम दिए जाने या फिर बोनस दिए जाने की मांग की है।

खबर संक्षेप

यमुनानगर। सास की हत्या करने वाली महिला व उसका प्रेमी पुलिस की हिरासत में बैठे हुए।

हत्या मामले में आरोपी महिला व प्रेमी गिरफ्तार

यमुनानगर। जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन की टीम ने प्रेमी के साथ मिलकर अपनी सास की निर्मम हत्या करने वाली महिला वा उसके प्रेमी युवक को गिरफतार कर लिया। उप पुलिस अधीक्षक रादौर आशिष चौधरी ने बताया कि 19 जुलाई 2025 को थाना छप्पर के गांव हरगढ़ में एक बुर्जग महिला की सदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत के सबंध में परिवाद की जांच अपराध शाखा वन यमुनानगर द्वारा की जा रही थी। जांच के बाद हत्या का मामला पाया जाने पर गत 6 जनवरी को थाना छप्पर में मामला दर्ज हुआ था। इसी मामले में यमुनानगर के प्रभारी राज कुमार द्वारा गठित पुलिस टीम ने 9 जनवरी को इस हत्या की वारदात के मुख्य आरोपी गांव मामली कला निवासी राजेश कुमार को गांव तिम्हों के पास से काबू किया है। जिसने पूछताछ पर बतलाया कि उसने यह वारदात अपनी प्रेमिका शिवानी के साथ मिलकर की है। शिवानी आरोपी के ही गांव की रहने वाली है और शिवानी की करीब दो वर्ष पहले हरगढ़ निवासी जितेन्द्र से शादी हो गई थी।

प्रतिनिधिमंडल ने सीएम के ओएसडी से की मुलाकात

कुरुक्षेत्र। लोकल कमेटी लोकल ऑपरेटर यूनियन हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री के ओएसडी से मुलाकात की। एलसीएलओ यूनियन के राज्य प्रधान पवन डागर ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी राकेश संधू से सीएम हाउस चंडीगढ़ व ओएसडी वीरेंद्र बढ़खालसा से सचिवालय चंडीगढ़ में मुलाकात कर अपनी समस्या का समाधान करने की अपील की। उन्होंने बड़े धैर्य से एलसीएलओ कर्मचारियों की बात सुनी व क्रिड विभाग की एसीएस जी अनुपमा से बात कर इन कर्मचारियों को विभाग में ज्वाइनिंग करवाने के लिए कहा।

आज महिलाएं हर क्षेत्र में बना रही हैं अपनी पहचान: सीडीपीओ

सौ मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में सीमा प्रथम और सुनीता दूसरे स्थान पर रही

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रादौर में ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

यमुनानगर के रादौर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेती महिलाएं।

महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में रादौर में ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यातिथि के रुप में सीडीपीओ कुसुम लता ने रिबन काटकर किया। मौके पर जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

खेलकूद प्रतियोगिता में सौ मीटर दौड़ में गांव सिलीकलां की महिला सीमा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, रादौर की सुनीता ने द्वितीय और घेसपुर की अंजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि 300 मीटर दौड़ में बैंडी की निशा ने पहला स्थान हासिल किया। वहीं, अलीपुरा की मनीषा दूसरे व खुर्दबन की कविता तीसरे स्थान पर रहीं। साइकिल रेस में बुबका की शीतल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। गुमथला की विधि द्वितीय और उन्हेड़ी की रजनी तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मीटर दौड़ में जठलाना की महक ने पहला, लक्सीबांस की अंकिता ने दूसरा और कंड्रौली की सुरुचि तीसरे स्थान पर रहीं। डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में संधाला की मीना ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। लक्सीबांस की रीना ने द्वितीय और रपड़ी की मीना तृतीय स्थान पर रही। मुख्यातिथि एवं सीडीपीओ कुसुम लता ने विजेता महिलाओं को प्रशंसित पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सीडीपीओ कुसुम लता ने कहा कि खेलकूद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। बल्कि मानसिक विकास और सामाजिक सहभागिता को भी मजबूत करता है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे खेल प्रतियोगिताओं में बढ़.चढ़कर भाग लें और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं और खेल भी इसका महत्वपूर्ण माध्यम है। वहीं, जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा ने बताया कि ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और उनमें आत्मविश्वासन व नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा। इस अवसर पर सुपरवाइजर वंदना कांबोज, मीना कांबोज, ललतेश, शिवानी, बिमलेश, नीता व रीतू आदि मौजूद रहे।

- सीडीपीओ कुसुम लता ने मुख्यातिथि के रूप में प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

यमुनानगर। रादौर के मेन बाजार में वाहनों के चलते जाम में फंसे लोग।

भारी वाहनों के चलते आए दिन लग रहा शहर में जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

- दुकानदारों को भी जाम से झेलनी पड़ती परेशानी

भारी वाहनों के चलते आए दिन शहरों में जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे वहां से गुजरने वाले लोग तो परेशान होते ही है। इसके साथ साथ स्थानीय दुकानदारों को भी जाम से परेशानी झेलनी पड़ती है। एक एक नजारा कस्बा रादौर के मेन बाजार का भी है। वहां आए दिन भारी वाहनों की आवाजाई रहती है। जिसके चलते स्थानीय लोगों को आए दिन जाम की समस्या से परेशान होना पड़ रहा है।

इसी स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा कुछ समय पहले भारी वाहनो की बाजार में एंट्री पर दिन के समय बेरिकेट लगाकर रोक लगाई गई थी। जिससे लोगों को जाम की समस्या से निजात मिल गई थी। परंतु पुलिस प्रशासन द्वारा जब से मेन बाजार में बेरिकेट हटाए गए है, जाम की समस्या फिर से शुरू हो गई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस विभाग से मेन बाजार में बेरिकेट व्यवस्था फिर से शुरू करने की मांग की है। स्थानीय निवासी रामशरण, गोल्डी, शुभम, अनुज, दिनेश, कपिल आदि ने बताया कि शहर के मेन बाजार में दुकानदार दिन के समय अपनी दुकानों के लिए भारी वाहनों से सामान मंगवाते है। दिन के समय ही वाहनों से सामान उतारते देखे जा सकते है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

विकसित भारत-जी राम जी एक्ट पर दुष्प्रचार कर रहे कांग्रेस व इंडी गठबंधन नेता: शर्मा

- भाजपा के राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कांग्रेस पर लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर में भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बातचीत करते हुए राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा। फोटो: हरिभूमि

भाजपा के राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी एक्ट पर विपक्षी पार्टियों दुष्प्रचार किया जा रहा है। आज देश और हरियाणा राज्य की जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन नेताओं का चेहरा और चरित्र भली-भांति पहचान चुकी है।

लगातार झूठ बोलने की आदत ने इन दलों को राजनीतिक रूप से अविश्वसनीय बना दिया है और अब जनता उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेती। उन्होंने उक्त आरोप शनिवार को भाजपा के जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहे। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन के नेता मनरेगा श्रमिकों को गुमराह करने के लिए बार.बार झूठे बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कोई वास्तविक सुझाव होते तो वे लोकसभा में देते। लेकिन उनके पास न सुझाव हैं और न ही कोई जवाब है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चर्चा से भागती है और सदन से वॉक आउट कर जाती है। यही रवैया हरियाणा विधानसभा में भी देखने को मिलता है। जहाँ कांग्रेस नेता बिना तैयारी के आते हैंए प्रस्ताव लाते हैं और फिर वॉक आउट करते हैं। फिर जनता के बीच जाकर भ्रम फैलाते हैं। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि हरियाणा में मजदूरी दर देश में सर्वाधिक नए प्रावधान से प्रदेश में हर श्रमिक को कम से कम 10 हजार रुपये अधिक मिलेंगे। हरियाणा में यह लाभ इसलिए अधिक है। क्योंकि हमारे प्रदेश में मजदूरी दर ऊंची है। यह देश में सर्वाधिक है। हरियाणा में प्रतिदिन 400 रुपये की दर से न्यूनतम मजदूरी दी जाती है। इससे हर श्रमिक की वार्षिक आय कम से कम 50 हजार रुपये हो सकती है। दूसरी तरफए पंजाब में न्यूनतम मजदूरी मात्र 339 रुपये प्रतिदिन है। इसी तरहए हिमाचल प्रदेश में तो यह मात्र 236 रुपये प्रतिदिन ही है। सांसद ने कहा कि हरियाणा में अक्तूबरए 2014 से लेकर अक्तूबर 2025 तक के 10 वर्षों में श्रमिकों को 5.243 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

धुंध के बादल छंटने से खिली धूप

- बच्चों ने धूप खिलने पर कहीं खेली क्रिकेट तो कहीं उड़ाई पतंग

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर। धूप खिलने पर खाली मैदान में धूप में बैठकर बातचीत करते लोग।

पिछले कई दिन से आसमान में छाए धुंध के बादल छंटने के बाद शनिवारको अच्छी धूप खिलने से तापमान में बढ़ौतरी दर्ज की गई। धूप खिलने पर जहां बुजुर्गों, महिलाओं और बीमारों के घरों की छत पर या आसपास के पार्कों में पहुंचकर धूप का आनंद लिया। वहीं, बच्चों ने धूप खिलने पर कहीं क्रिकेट खेली तो कहीं पर पतंग उड़ाकर दिन भर खूब मस्ती की।

शनिवार को दिन भर अच्छी धूप खिली रही। जिससे कई दिन से ठंड के कारण घरों में कैद होकर रह गए बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं ने घरों से बाहर निकल कर धूप का आनंद उठाया। हालांकि इस दौरान हवा चलने से मौसम में ठंडक बनी हुई थी। मगर धूप खिलने से लोगों ने ठंड से राहत ली। जिले में शनिवार को दिन भर अच्छी धूप खिलने से बच्चे अपने घरों से आसपास व खाली पड़े मैदानों में पहुंच गए और क्रिकेट खेलने लगे। वहीं, कुछ बच्चे पतंग उड़ाते नजर आए। जबकि बच्चों की माताओं ने इस दौरान पार्क में बैठकर धूप के आनंद के साथ खूब गपशप की। सिटी सेंटर के नजदीक स्थित कॉलोनी निवासी सुषमा, मिनाक्षी व ममता आदि ने बताया कि पिछले कई दिन से कभी घना कोहरा तो कभी आसमान में धुंध के बादल होने से कड़ाके की ठंड पड़ रही थी। मगर शनिवरा को आसमान साफ हो गया। जिसके बाद दिन भर धूप खिली रही। शनिवार को धूप खिलने से जिले का अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम पांच डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

विश्वकर्मा मोहल्ला में ₹16.28 लाख की लागत से होंगे विकास कार्य:मेयर

- नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने विकास कार्यों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

- नगर निगम ने शुरू कर दी है टैंडर की प्रक्रिया

यमुनानगर। अपने कार्यालय में विकास कार्यों की जानकारी देते हुए मेयर सुमन बहमनी। फोटो: हरिभूमि

नगर निगम यमुनानगर द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में वार्ड नंबर 10 स्थित विश्वकर्मा मोहल्ला में 16 लाख 28 हजार 673 रुपये की लागत से विभिन्न गलियों एवं नालियों के निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इस संबंध में नगर निगम द्वारा टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। टेंडर अलॉट होते ही निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर दिए जाएंगे। यह जानकारी शनिवार को मेयर सुमन बहमनी ने अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए दी।

मेयर सुमन बहमनी ने बताया कि विश्वकर्मा मोहल्ला क्षेत्र में लंबे समय से सड़क एवं जल निकासी व्यवस्था को लेकर स्थानीय निवासियों की मांग आ रही थी। जिसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने यह विकास योजना तैयार की है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से भी राहत मिलेगी। मेयर सुमन बहमनी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत शमी टेलर की दुकान से पंकज के घर तक सड़क एवं नाली का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा लकी जायसवाल के घर के साथ वाली सड़क, रंजीत सिंह के घर से सटी सड़क तथा रोशन लाल मित्तल के घर से इंदरजीत के घर तक नालियों का निर्माण किया जाएगा।

गुणवत्ता पर विशेष ध्यान

इन सभी कार्यों को तय मानकों के अनुसार गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा। मेयर ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना है। ताकि नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्यों के दौरान गुणवत्ता एवं पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए जाएंगे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने मसूरी में लगाया यूथ रेडक्रॉस ट्रेनिंग कैंप

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के छात्र कल्याण अधिष्ठाता के यूथ रेडक्रॉस यूटीडी यूनिट द्वारा कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के निर्देशन एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर एआर चौधरी के मार्गदर्शन में पांच दिवसीय यूथ रेडक्रॉस ट्रेनिंग कैंप का आयोजन 10 से 14 जनवरी तक सरकारी यूथ होस्टल मंसूरी में किया जा रहा है। उद्घाटन मंसूरी के सरकारी यूथ होस्टल में स्थानीय लोगों की उपस्थिति में किया गया। शिविर के आयोजन की बागडोर यूथ रेडक्रॉस यूटीडी यूनिट के काउंसलर डॉ जतिन कालोन और डॉ. कृष्णा अग्रवाल ने संभाली हुई है। कैंप के पहले दिन की शुरूआत माँ सरस्वती वंदना एवं यूथ रेड क्रॉस के जनक सर जीन हेनरी दूनेन्त को पुष्प समर्पित करके किया गया। कैंप में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों के लगभग 52 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

शैक्षणिक लेखन में नैतिकता और मौलिकता का होना जरूरी: डॉ. जसविंद्र

- गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर में रिसर्च राइटिंग और एथिक्स में सफलता गाइड पर ऑनलाइन आयोजित हुआ वेबिनार

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

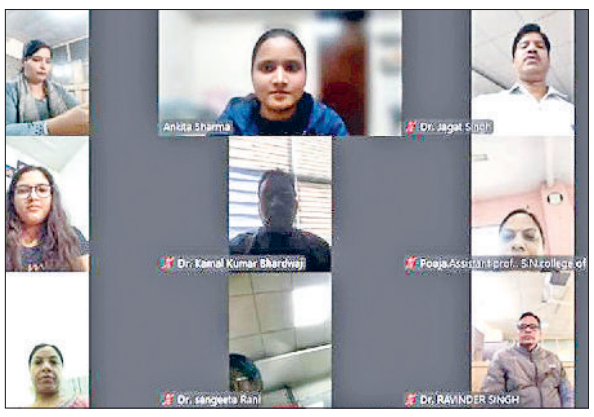

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज में आयोजित वेबिनार में अपने विचार रखते हुए वक्ता। फोटो: हरिभूमि

गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शनिवार को रिसर्च राइटिंग और एथिक्स पब्लिकेशन में सफलता के लिए गाइड विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रस्तरीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रुप में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ बठिंडा पंजाब के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जसविंद्र सिंह ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता एवं सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ बठिंडा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जसविंदर सिंह ने रिसर्च पेपर लेखन पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अच्छे रिसर्च पेपर की संरचना, जर्नल के चयन और पब्लिकेशन के दौरान बचने वाली आम गलतियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी रिसर्च माहौल में शैक्षणिक लेखन में नैतिकता और मौलिकता का होना बेहद जरुरी है। वहीं, दूसरे वक्ता सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी अजमेर की असिस्टेंट प्रोफेसर अंकिता शर्मा ने सोशल साइंस रिसर्च में एथिक्स सहमति से परे विषय पर बात की। जिसमें उन्होंने नैतिक चुनौतियों, रिसर्च में ईमानदारी और जिम्मेदार शैक्षणिक तरीकों पर प्रकाश डाला। कालेज के प्रिंसीपल डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला ने बताया कि वेबिनार आयोजित करने का उदेश्य सोशल साइंस रिसर्च में रिसर्च राइटिंग, पब्लिकेशन की रणनीतियों और नैतिक तरीकों के महत्वपूर्ण पहलुओं का पता लगाना रहा। कालेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने वेबिनार को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए आयोजन टीम को बधाई दी। इस अवसर पर कालेज के समन्वय विभाग के प्रमुख डॉ. जगत सिंह, संयोजक राजू व सह संयोजक सुश्री पूजा रानी का वेबिनार आयोजन करने में पूर्ण सहयोग रहा।

सत्संग

महात्मा सिंधु बाई ने साध संगत को बताया सत्संग श्रवण करने का महत्व

सत्संग श्रवण करने से मानव के बिना प्रयास के नष्ट हो जाते हैं करोड़ों पाप: बाई

- मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा श्री हंस ज्योति मंदिर जगाधरी के तत्वावधान में गांव मंडौली गग्गड़ में सत्संग एवं भजन संकीर्तन कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर। गांव मंडौली गग्गड़ में सत्संग एवं भजन संकीर्तन कार्यक्रम में प्रवचन करते हुए महात्मा सिंधु बाई व अन्य महात्मा। फोटो: हरिभूमि

अखिल भारतीय सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा श्री हंस ज्योति मंदिर जगाधरी के तत्वावधान में शनिवार को छछरौली के गांव मंडौली गग्गड़ में सत्संग एवं भजन संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महात्मा महात्मा सिंधु बाई ने साध संगत को सत्संग श्रवण करने का महत्व बताया। इस दौरान महात्मा मेघना बाई ने अपने भजनों से भक्तों को आनंद विभोर कर दिया।

महात्मा सिंधु बाई ने फरमाया कि मानव जीवन में सत्संग बड़े भाग्य से मिलता है। सत्संग श्रवण करने से मानव के बिना प्रयास के करोड़ों पाप स्वतः ही नष्ट हो जाते हैं। जो सत्संग को ध्यानपूर्वक सुनते हैं, सुनने के बाद समझते हैं और मनन करते हैं वह सहज में ही चार फलों अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष को प्राप्त कर लेते हैं। महात्मा सिंधु बाई ने फरमाया कि संतों का समागम चलता फिरता जंगल तीर्थ है। उन्होंने कहा कि भगवान ज्योति स्वरूप है। सभी संतो और महापुरुषों ने ज्योति स्वरूप परमात्मा को अपने हृदय के अंदर दर्शन किया है और उसका भक्तों को बोध कराया है। भगवान कृष्ण गीता में रहते हैं कि अर्जुन मेरा ऐसा धाम है जहां पर सूर्य, चंद्र, अग्नि का प्रकाश नहीं है। स्वयं प्रकाश है जहां पर जीव जाने के बाद वापस नहीं आता है। आज हम बाह्य नेत्र से दर्शन करना चाहते हैं। लेकिन भगवान कृष्ण कहते हैं कि अर्जुन तू मुझे इन आंखों से देख नहीं सकता । भगवान कृष्ण ने जब अर्जुन को दिव्य नेत्र दिया तभी उसने अपने अंदर में भगवान के चतुर्भुज और विराट रूप का दर्शन किया। ठीक इसी प्रकार से जब तक हमारे पास भी दिव्य नेत्र नहीं होगा हम भगवान का दर्शन नहीं कर सकते।

भजनों से भक्तों को आनंद विभोर किया

बाई ने फरमाया कि मानव उत्थान सेवा समिति के संस्थापक सद्गुरु देव सतपाल महाराज चार क्रियाओं का क्रियात्मक बोध करवाकर मानव की सुषुप्त आत्मा को जागृत कर रहे हैं। मौके पर महात्मा मेघना बाई व महात्मा सपना भाई ने अपने सत्संग व भजनों से भक्तों को आनंद विभोर कर दिया। सत्संग के उपरांत सभी ने महाप्रसाद का आनंद लिया। संस्था के प्रवक्ता पवन गोयल ने बताया कि 13 व 14 जनवरी को पूरे देश में मानव उत्थान सेवा समिति आवश्यक सामग्री वितरण का आयोजन कर रही है। जिसमें जरूरतमंदों को राशन, वस्त्र, कंबल व अन्य सामग्री वितरण की जाएगी । सत्संग में मुख्य रूप से जगपाल सिंह, अमित भारती, राहुल चौधरी, संदीप कुमार, बलविंदर सिंह, सुरेशो देवी, मीना देवी, रीना देवी व शालू चौधरी आदि श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

यमुनानगर। कस्बा रादौर के गांव अंटावा में रुद्राभिषेक करते भाजपा जिला उपाध्यक्ष हैप्पी खेडी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंदिर में कार्यक्रम कर किया रुद्राभिषेक

रादौर। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा शनिवार को शिवमंदिर अंटावा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष हैप्पी खेड़ी मुख्यरूप से मौजूद रहे। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मंदिर में रुद्राभिषेक किया। जिला उपाध्यक्ष ने बताया कि सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमण के 1000 वर्ष पुरे हो गए है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-2026 के माध्यम से अपने इतिहास, आस्था व आत्मसम्मान को स्मरण करते हुए आगे बढने का संकल्प ले रहा है। उन्होंने बताया कि 1026 में महमूद गजनवी के हमले से लेकर न जाने कितने विदेशी आक्रमणकारियों ने सोमनाथ मंदिर को मिटाने की कोशिश की। लेकिन हर बार देश के वीरों ने जान की बाजPी लगाकर इसे बचाया। इस पर्व में हमीरजी गोहिल, वेगदा भील की कुर्बानी को भी याद किया जा रहा है। इस अवसर पर बसेसर, वीरेंद्र चानना, यशपाल सेठी, रामकुमार आदि मौजूद रहे।

हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और भावनाओं की पहचान : मिश्र

विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर में भाषा संवाद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

भाषाओं के माध्यम से ही व्यक्ति खुद के आचार, विचार और व्यवहार को किसी दूसरे तक पहुंचता है। किसी भी क्षेत्र में देश को विकसित करने के लिए भाषा का अपना एक अलग भूमिका प्रदान करती है। हर देश में अपनी एक अलग भाषा है और उनका एक अलग महत्व है। वैसे ही भारत में अपनी मातृभाषा हिंदी के लिए एक अलग सम्मान है। यह विचार मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर द्वारा आयोजित भाषा संवाद कार्यक्रम में व्यक्त किए।

कुरुक्षेत्र। विद्यार्थियों को संबोधित करते मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डा. श्रीप्रकाश मिश्र। फोटो : हरिभूमि

हिंदी की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर संभाषण

कार्यक्रम का शुभारम्भ मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन से हुआ। भाषा संवाद कार्यक्रम में मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर संभाषण प्रस्तुत किये। उत्कृष्ट संभाषण के लिए नकुल, कार्तिक एवं हनी सिंह को पुरस्कृत किया गया। मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं की पहचान है। यह वह भाषा है जिसमें हमने बोलना सीखा, अपने विचार व्यक्त किए और अपने सपनों को आकार दिया। हिंदी ने हमें जोड़ा है, घर, समाज और देश से। आज जब दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है, तब हिंदी भी समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। विश्व हिंदी दिवस का इतिहास हमें प्रेरणा देता है। वर्ष 1975 में महाराष्ट्र के नागपुर में पहला विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसी ऐतिहासिक सम्मेलन की स्मृति में हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य हिंदी को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना और विभिन्न देशों में बसे हिंदी प्रेमियों को एक सूत्र में बांधना है।

हमें गर्व के साथ हिंदी बोलनी और लिखनी चाहिए

डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा हिन्दी हमारी आत्मा का स्वर और भारतीय अस्मिता का शब्द रूप है। यह वह सेतु है, जो हमारी आद्य संस्कृति को आधुनिक संस्कारों से जोड़ता है। जब हम हिन्दी की उन्नति की बात करते हैं, तो हम वास्तव में भारत के सर्वांगीण उत्थान की बात कर रहे होते हैं।आज के समय में हिंदी शिक्षा, साहित्य, मीडिया और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही, भारत सरकार लंबे समय से हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की सातवीं आधिकारिक भाषा का दर्जा दिलाने की दिशा में प्रयासरत है। आज हिंदी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल सरकार या संस्थाओं की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हमें गर्व के साथ हिंदी बोलनी चाहिए, लिखनी चाहिए और इसका प्रयोग अपने दैनिक जीवन में करना चाहिए। साथ ही, हमें अन्य भाषाओं का सम्मान करते हुए हिंदी की गरिमा को बनाए रखना चाहिए। कार्यक्रम मे मातृभूमि सेवा मिशन एवं मातृभूमि शिक्षा मंदिर के सदस्य, विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का समापन हिंदी भाषा के जयघोष से हुआ।

खबर संक्षेप

भवन निर्माण कार्य के लिए दिए 100 बैग सीमेंट

शाहबाद। रोटरी क्लब शाहाबाद मारकंडा द्वारा सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक और सराहनीय पहल करते हुए जरूरतमंदों के सहयोग हेतु कार्यरत संस्था नी आसरे दा आसरा को भवन निर्माण कार्य के लिए 100 बैग सीमेंट प्रदान किए गए। इस सेवा कार्य का उद्देश्य संस्था को मजबूती प्रदान करना तथा समाज के बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों के लिए बेहतर सुविधाओं के निर्माण में सहयोग देना रहा। इस अवसर पर रोटरी प्रधान डॉ. आर. एस. घुम्मन ने कहा कि रोटरी क्लब सदैव समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

सर्दी से बचाव के लिए बरतें सावधानी : डीसी

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने आम नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए सावधानी बरतने की अपील की है। शीतलहर व सर्दी से बचने के लिए मौसम पूवार्नुमान के लिए रेडियो/ टीवी/ समाचार पत्र आदि से जानकारी प्राप्त कर सकतें है। उपायुक्त ने कहा कि फ्लू, नाक बहना/ भरी नाक या नाक बंद जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं। इसलिए इस तरह के लक्षणों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतें तथा स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों या डॉक्टर से परामर्श करें।

महिलाओं के विरुद्ध होने अपराधों की जानकरी दी

कुरुक्षेत्र। जिला पुलिस द्वारा महिलाओं विशेष रुप से लड़कियों को जागरुक किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के मार्ग-निर्देश में जिला पुलिस की सेफ सिटी टीमों द्वारा शिक्षण संस्थानों मे महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं। महिला पुलिस की टीमों द्वारा महिलाओं एवं बच्चों को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। बच्चों व महिलाओं को समझाया जाता है कि बच्चे हर छोटी बड़ी बातें अपने माता-पिता से हर रोज सांझा करें ताकि कोई अनहोनी न हो। सेफ सिटी की टीम ने डीएन कालेज कुरुक्षेत्र में छात्राओं को महिला विरुद्ध होने अपराधों के बारे में जानकरी दी।

मुख्यमंत्री व हरियाणा सरकार के नाम एडीसी को सौंपा ज्ञापन

धान घोटाले की सीबीआई से जांच को लेकर भाकियू ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

भारतीय किसान यूनियन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी की अध्यक्षता में धान घोटाले की जांच सीबीआई से करवाने व आमजन से जुड़े मुद्दों को लेकर जाट धर्मशाला से लेकर लघु सचिवालय तक रोष मार्च निकाला। रोष मार्च के दौरान भाकियू कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। लघु सचिवालय पहुंचकर भाकियू पदाधिकारियों ने हरियाणा सरकार व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एडीसी को सौंपा। इससे पहले सभी किसान सुबह जाट धर्मशाला में एकत्रित हुए। वहां से लघु सचिवालय तक पैदल रोष मार्च निकालते हुए पहुंचे। किसानों का संबोधित करते हुए भाकियू के राष्टीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा कि धान घोटाले की सीबीआई से जांच करवाने, महंगाई, चिकित्सा, शिक्षा तथा कृषि से जुड़े मुद्दों को लेकर जिला स्तर पर प्रदर्शन किए जा रहे है। कहा कि इन्ही मुद्दों को लकर 23 मार्च को पिपली अनाज मंडी में प्रदेश स्तरीय रैली आयोजित की जाएगी जिसमें आगामी आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। चढूनी ने कहा कि आज प्रदेश की सेहत एक व्यापार बना दी गई है, जिसमें जनता की जेबों से खुलकर लूट की जा रही है। प्राइवेट अस्पतालों व मल्टी नेशनल अस्पतालों में आम जनता के लिए इलाज करवाना बहुत महंगा हो रहा है।

कुरुक्षेत्र। रोष मार्च निकाले भाकियू कार्यकर्ता।

कुरुक्षेत्र। एडीसी को ज्ञापन सौंपते भाकियू कार्यकर्ता।

घटिया बीज बेचने वालों की सजा बढ़ाने की मांग

प्रदेश में शिक्षा का भी व्यापारीकरण कर दिया गया है, जिससे आमजन मानस परेशान है और आर्थिक रूप से तंग है। प्रदेश में बढ़ती लागत व फसल के उचित दाम न मिलने के कारण किसान कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। कहा कि सभी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की कानूनी गारंटी सुनिश्चित की जाए और यह कानून बनाकर सुनिश्चित किया जाए कि न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे किसानों की कोई फसल नहीं बिके, ताकि किसान को उसकी फसल का पूरा मूल्य मिल सके। कहा कि बीज बिल में काफी खामियां हैं, जिससे बीज पर पूंजीवाद का कब्जा हो जाएगा। इसमें नकली/घटिया बीज बेचने वालों के ऊपर सजा व जुर्माने का प्रावधान भी कम है, जिसे बढ़ाया जाए। बीज शोध के लिए कृषि विश्वविद्यालयों में बजट बढ़ाया जाए। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह मथाना, मीडिया प्रभारी राकेश बैंस, कृष्ण कलाल माजरा, संजू गुंदियाना सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोहड़ी पर्व पर बाजार सजकर तैयार, खरीदारी का दौर शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जैसे-जैसे लोहड़ी का पर्व नजदीक आ रहा है, वैसे ही बाजारों में चहल-बहल बढ़ती जा रही है। लोहड़ी पर्व पर बाजार सजकर तैयार हो गए हैं। लोगों ने अभी से ही मूंगफली, गच्चक, रेवड़ियां, चिड़वडे, बिस्कुट आदि की खरीदारी शुरू कर दी गई है। लोग दूर-दराज रहने वाली अपनी बेटियों व अन्य संगे-संबंधियों को लोहड़ी पर्व पर उपहार देने के लिए कपड़े, मिठाई, गहने, ड्राइ फ्रूट व मूंगफली, गच्चक, रेवड़ियां, बिस्कुट आदि की खरीदारी कर रहे हैं। खरीदारी अधिक होने के कारण दुकानदारों के चेहरे पर रौनक देखने को मिल रही है। लोहड़ी पर्व के मद्देनजर मेन बाजार, बस स्टैंड, रेलवे रोड, मोहन नगर के बाजारों में मूंगफली, गच्चक, रेवड़ियों से दुकानें के साथ-साथ मिठाई की दुकानें भी सज गई हैं। ज्यादातर लोग बाजार में मूंगफली, गच्चक, मिठाई तथा अन्य गिफ्ट आइटम खरीदने के लिए आ रहे हैं। दिनभर बाजारों में भीड़ देखने को मिल रही है। मूंगफली बेचने वालों की दुकानों पर भी भीड़ है। मिठाई विक्रेता शेखर ने बताया कि लोहड़ी को लेकर गांवों से भी लोग मिठाई की खरीदारी करने आ रहे हैं। ग्राहकों की मांग को देखते हुए मिठाई तैयार कर ली है। मूंगफली विक्रेता ने कहा कि लोहड़ी को लेकर मूंगफली व गच्चक की खरीदारी बहुत ही तेजी से हो रही है।

कुरुक्षेत्र। रेलवे रोड पर मूंगफली, गजक बेचता दुकानदार।

अच्छे कारोबार की उम्मीद

कई दुकानों में गिफ्ट के तौर पर मूंगफली, गजक और रेवड़ी को एक साथ पैक कर ग्राहकों को दिया जा रहा है। पर्व पास आते ही गजक, मूंगफली और रेवड़ी की बिक्री में इजाफा शुरू हो गया है। इस दौरान कारोबारियों ने भी अच्छे कारोबार की उम्मीद जताई है। इस बार लोहडी पर्व को लेकर जिले के कारोबारियों में अच्छे कारोबार की उम्मीद है।

बाजार में मूंगफली 120 से 160 रुपये किलो तक बिक रही है। वही लोहड़ी में मूंगफली के साथ साथ बिस्कुट बांटने का रिवाज भी बहुत बढ़ गया है। गांव के लोग मूंगफली के साथ बिस्कुट भी बांटते हैं। इसके चलते बिस्कुट लेने के लिए लोगों ने खरीदारी शुरू कर दी है।

शिव मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में सुनाया प्रसंग

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का किया वर्णन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानेसर

सेक्टर 3 के शिव मंदिर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। इस मौके कथा व्यास रमेश पराशर ने संगीतमय कथा वाचन कर भगवान की बाल लीलाओं के चरित्र का वर्णन किया। श्रोताओं से कहा कि लीला और क्रिया में अंतर होती है। अभिमान तथा सुखी रहने की इच्छा प्रक्रिया कहलाती है। इसे ना तो कर्तव्य का अभिमान है और ना ही सुखी रहने की इच्छा, बल्कि दूसरों को सुखी रखने की इच्छा को लीला कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने यही लीला की, जिससे समस्त गोकुलवासी सुखी और संपन्न थे। उन्होंने कहा कि माखन चोरी करने का आशय मन की चोरी से है। कन्हैया ने भक्तों के मन की चोरी की। उन्होंने तमाम बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए उपस्थित श्रोताओं को वात्सल्य प्रेम में सराबोर कर दिया।

थानेसर। श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास रमेश पराशर का फूल माला पहनाकर स्वागत करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

आज सुबह 10 बजे हवन यज्ञ होगा

उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के जन्म लेने पर कंस उनकी मृत्यु के लिए राज्य की सबसे बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है। राक्षसी पूतना भेष बदलकर भगवान कृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है, परंतु भगवान उसका वध कर देते हैं। इसी प्रकार कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन कार्यक्रम की तैयारी करते हैं, परंतु भगवान कृष्ण उनको इंद्र की पूजा करने से मना कर देते हैं और गोवर्धन की पूजा करने के लिए कहते हैं। मंदिर के प्रधान जोगेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि रविवार 11 जनवरी को सुबह 10 बजे हवन यज्ञ होगा। कथा के समापन पर विशाल भंडारा लगाया जाएगा। इस मौके पर आचार्य बलराज, मनदीप जोशी, मुकेश वशिष्ठ, सोहन पराशर वेद मंत्रों सहित पूजा अर्चना करवाई। इस अवसर पर मंदिर प्रधान जोगेंद्र सिंह चौहान, मदन धीमान, अनिल सखुजा, वीना सखुजा, श्रवण शर्मा, सुरेश, संजय त्यागी, विजय जैन, अरुण शर्मा, अजेश गोयल आदि कई गणमान्य व्यक्तियों ने कथा का रसपान किया।

कुरुक्षेत्र में कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर 13 से 22 जनवरी तक

कुरुक्षेत्र। 13 से 22 जनवरी तक कुरुक्षेत्र में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर लगेगा। शिविर में संगठन कैसे मजबूत करना है, कैसे चलाना है, इसे लेकर सीनियर नेता रूबरू होंगे। सम्मेलन में हरियाणा और उत्तराखंड दोनों राज्यों के 60 से ज्यादा जिलाध्यक्ष ट्रेनिंग लेंगे। यही नहीं 10 दिन तक यह ट्रेनिंग चलेगी। खुद राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे भी पहुंचेंगे। हालांकि अभी इनके कुरुक्षेत्र प्रवास की तारीख फाइनल होना बाकी है। राहुल गांधी 2 दिन रहकर हरियाणा और उत्तराखंड के कांग्रेस के जिला अध्यक्षों से संवाद करेंगे। पार्टी की योजना है कि आगामी राजनीतिक लड़ाई सिर्फ मंचों से नहीं, बल्कि जिलों और बूथों से लड़ी जाए। संगठन को मजबूत किया वं जाए। सन्निहित सरोवर किनारे पंजाबी धर्मशाला में यह ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा। दोनों राज्यों के जिलाध्यक्ष यहीं प्रवास करेंगे। इसके लिए पूरी धर्मशाला बुक की गई है। हालांकि सीनियर लीडर यहां नहीं रुकेंगे। उनके लिए अलग जगह व्यवस्था होगी। 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई वरिष्ठ नेता शिरकत करेंगे।

मनरेगा को बचाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता आज रखेंगे उपवास

कल से पंचायत स्तर पर जनसंपर्क किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

भाजपा सरकार मनरेगा को कमजोर करके खत्म करना चाहती है इस योजना में बदलाव लाकर काम की कानूनी गारंटी को खत्म करने की तैयारी कर रही है। यह मनरेगा की दिन दहाड़े हत्या है जिसे कांग्रेस पार्टी कभी सहन नहीं करेगी। उपरोक्त जानकारी थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा ने कांग्रेस भवन में आयोजित मनरेगा बचाओ अभियान के तहत आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इस अवसर पर पिहोवा विधायक मंदीप चट्ठा, शाहाबाद विधायक रामकरण काला एवं पूर्व सांसद कैलाशो सैनी ने संयुक्त प्रेस वार्ता में भाग लिया। थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि मनरेगा को लेकर एक विस्तृत आंदोलन का शैड्यूल बनाया गया है। इसी के तहत 11 जनवरी को जिला स्तर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा समक्ष 11 बजे से लकर तीन बजे तक एक दिन का उपवास रखा जाएगा। थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटा कर इसकी आत्मा को ही खत्म कर दिया है। इसके अलावा मनरेगा को बचाने के लिए 12 जनवरी से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर जनसंपर्क किया जाएगा। 30 जनवरी को वार्ड स्तर पर शांतिपूर्ण धरना दिया जाएगा। 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिला स्तरीय मनरेगा बचाओ धरना दिया जाएगा। 7 फरवरी से 15 फरवरी तक राज्य स्तरीय विधानसभा घेराव किया जाएगा। अशोक अरोड़ा ने कहा कि मनरेगा साल 2005 में यूपीए सरकार लेकर आई जिसके तहत गांव का कोई भी बेरोजगार काम की मांग कर सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मनरेगा बचाओ अभियान की शुरूआत कर दी है।

कुरुक्षेत्र। पत्रकारों से बातचीत करते विधायक अशोक अरोड़ा। फोटो : हरिभूमि

आदेश में मरीजों की सुविधा-सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है : गिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में डॉ. तनवी गोयल तथा न्यूरोलॉजी विभाग में प्रसिद्ध न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. पार्थ बंसल ने ज्वाईनिंग की है। इन दोनों अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों के जुड़ने से अस्पताल के दोनों विभागों की उपचार क्षमता में नया अनुभव जुड़ा है। यह जानकारी देते हुए एम.डी. डा. गुणतास सिंह गिल ने बताया कि अस्पताल में मरीजों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने बताया कि आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हर तरह की आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं जिनमें सभी प्रकार के अत्याधुनिक इक्विपमेंट और मशीनें, सभी तरह के ऑपरेशन थिएटर तथा 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं शामिल हैं। डा. गुणतास सिंह गिल ने बताया कि पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में नियुक्त डा. तनवी गोयल बच्चों की जटिल और संवेदनशील सर्जरी में विशेष अनुभव रखती हैं। अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक ओटी और उन्नत सर्जिकल उपकरणों की मदद से नवजात शिशुओं से लेकर बड़े बच्चों तक के गंभीर रोगों का सुरक्षित और प्रभावी उपचार किया जा रहा है। वहीं न्यूरोलॉजी विभाग में डॉ. पार्थ बंसल व अन्य अनुभवी चिकित्सकों के नेतृत्व में मस्तिष्क, रीढ़ और नसों से जुड़ी बीमारियों का सफल उपचार किया जा रहा है।

मौसम का हाल बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा मौसम

दिन में धूप निकलने पर व्यायाम करें और धूप में बैठकर शरीर की सिकाई करें

सुबह-शाम धुंध और ठंडी हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन, धूप भी नहीं दे पा रही राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिले में सुबह-शाम धुंध और तेज ठंडी हवा के कारण ठिठुरन भरी ठंड लगातार बढ़ रही है। शनिवार को दिनभर चली ठंडी हवा और खिली धूप भी लोगों को गर्माहट नहीं दे पाई। शाम पांच बजे के बाद शहर में धुंध का असर और बढ़ गया और ठंडी हवा की गति तेज हो गई। बढ़ती धुंध का प्रभाव जहां किसानों के लिए सकारात्मक है वहीं बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। बुजुर्गों में सांस लेने में परेशानी और अस्थमा की शिकायतें आ रही हैं।

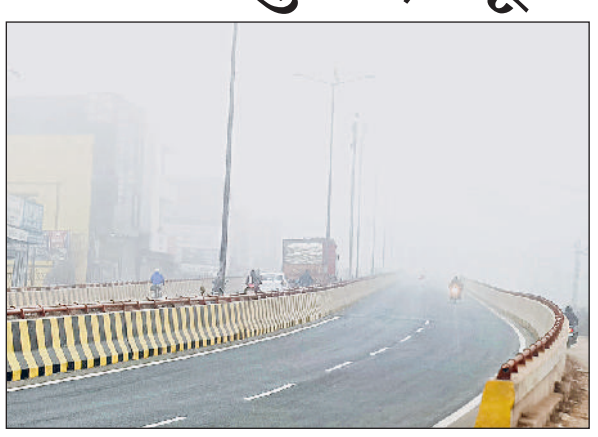

कुरुक्षेत्र। सुंदरपुर फ्लाइओवर पर छाई धुंध। फोटो : हरिभूमि

बच्चों में सूखी खांसी जैसी समस्याएं देखी जा रही

बच्चों में सूखी खांसी और छाती जाम होने जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। इसके अलावा बीपी, शुगर, बदन दर्द, जोड़ों के दर्द, पुरानी चोट का दर्द और हृदय संबंधी मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। जिला नागरिक अस्पताल के आपात विभाग में हृदय रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 17 डिग्री व न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ठंड में सैर पर जाने से करें परहेज

चिकित्सकों ने मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। फिजिशियन डॉ. आशीष अनेजा ने कहा कि खांसी, जुकाम, सांस और अस्थमा के मरीज सुबह-शाम ठंड में बाहर न जाएं। बीपी और शुगर के मरीज नियमित जांच करें। ठंडी हवा की सीधे चपेट में आने से बचें। शरीर को गर्म कपड़ों से ढककर रखें। हड्डी रोग विशेषज्ञ का कहना है कि बुजुर्गों को ठंड से बचाव करना चाहिए। बदन दर्द और जोड़ों के दर्द बढ़ सकते हैं। ठंडी हवा और ठंडी खाद्य सामग्री से दूरी बनाएं। दिन में धूप निकलने पर हल्का व्यायाम करें और धूप में बैठकर शरीर की सिकाई करें।

शिक्षा समाज की प्रगति की रीढ़

तेलू राम मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सैनी धर्मशाला में स्थापित पुस्तकालय बदल रहा युवाओं की सोच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति की रीढ़ होती है। जब शिक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से प्रयास किए जाते हैं तो उनका प्रभाव केवल वर्तमान तक सीमित नहीं रहता बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा देता है। यहां के तेलू राम मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सैनी धर्मशाला में स्थापित पुस्तकालय इसी सोच का सशक्त और प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है। यह पुस्तकालय न केवल पुस्तकों का संग्रह है, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला भी सिद्ध हो रहा है। पुस्तकालय की स्थापना का उद्देश्य ऐसे युवाओं को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर अपने जीवन को नई दिशा देना चाहते हैं।

शिक्षा से ही विकास संभव

इस पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन 14 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी द्वारा किया गया था। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा था कि ज्ञान ही व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है और शिक्षा के माध्यम से ही सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने पुस्तकालय को समाज के लिए एक बहुमूल्य धरोहर बताया। उद्घाटन के पश्चात से ही पुस्तकालय में आसपास के गांवों के युवाओं की नियमित उपस्थिति यह प्रमाणित करती है कि यह पहल समय और आवश्यकता के अनुरूप है।

पुस्तकालय पूरी तरह निःशुल्क

पुस्तकालय के इंचार्ज मास्टर बलजीत सैनी ने बताया कि यह पुस्तकालय पूरी तरह निःशुल्क है। किसी भी वर्ग का युवा यहां आकर अध्ययन कर सकता है। पुस्तकालय प्रतिदिन सुबह 9 बजे खुलता है। युवाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शाम तक संचालित रहता है। उन्होंने बताया कि यहां प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों, समाचार पत्रों और अन्य अध्ययन सामग्री की पर्याप्त व्यवस्था है। शीघ्र ही कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। सैनी ने कहा कि यह पुस्तकालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण विकसित करने का केंद्र है। युवाओं के सपनों को मिल रहा मजबूत सहारा गांव उपलाना निवासी मनदीप कुमार, जो पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे हैं, ने बताया कि पुस्तकालय का शांत वातावरण और उपलब्ध संसाधन उनकी पढ़ाई के लिए बेहद सहायक हैं। उन्होंने कहा कि घर पर पढ़ाई के दौरान एकाग्रता नहीं बन पाती लेकिन यहां आकर पढ़ाई करने से मन पूरी तरह अध्ययन में लग जाता है।

छात्र अध्ययन कर संवार रहे भविष्य

गांव धनौरा के अरविंद पीएचडी की तैयारी कर रहे हैं। उसने कहा कि यह पुस्तकालय ग्रामीण युवाओं के लिए एक वरदान है। उन्होंने बताया कि यहां पढ़ाई का अनुशासित माहौल उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति और अधिक केंद्रित करता है। गांव अंधेरी के हर्ष बीटेक की तैयारी कर रहे हैं। उसने कहा कि इस पुस्तकालय ने उनके समय का सही उपयोग करना सिखाया है। पहले खाली समय व्यर्थ चला जाता था लेकिन अब वह नियमित अध्ययन कर अपने भविष्य को संवार रहे हैं। 12वीं कक्षा की छात्रा यशस्वी ने बताया कि पुस्तकालय में आकर पढ़ने से उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि शांत वातावरण और प्रेरणादायक माहौल उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। नंबरदार सुरेश पाल ने कहा कि स्वर्गीय तेलू राम के नाम पर स्थापित यह पुस्तकालय समाजहित में किया गया एक अनुकरणीय कार्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। गांव लखनौरा के एडवोकेट राजवीर ने कहा कि यह पुस्तकालय ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोल रहा है। तेलू राम मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा स्थापित यह पुस्तकालय स्वर्गीय तेलू राम जी की स्मृति को समर्पित है।

खबर संक्षेप

भगोड़े को गिरफ्तार कर जेल भेजा

बराड़ा। थाना मुलाना में धारा 148, 149, 323, 341 व 506 आईपीसी के तहत दर्ज केस में वांछित एवं घोषित अपराधी (पीओ.) आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोपी राजेंद्र कुमार उर्फ सोनू वासी गांव गोला को अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने आरोपी को सेंट्रल जेल भेजने के आदेश दिए।

देशी पिस्तौल समेत आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज अवैध हथियार रखने के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी शुभम को गिरफ्तार किया है। सीआईए-1 के प्रभारी निरीक्षक हरजिंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि आरोपी के पास अवैध हथियार है जो किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है। आरोपी सुभाष चंद्र चौक से पैदल हाथी खाना मंदिर की तरफ पैदल आएगा। सूचना उपरान्त सीआईए-1 ने नाकाबंदी कर आरोपी को काबू किया। विधिपूर्वक तलाशी लेने पर उससे देशी पिस्तौल व जिंदा रौंद बरामद किया था। आरोपी की पहचान नितिन उर्फ पोला के रूप में हुई थी।

फोन छीनने का प्रयास करने वाला युवक पकड़ा

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज मोबाइल फोन छीनने का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने तुरंत संलिप्त आरोपी विकास उर्फ अंकित को गिरफ्तार किया है। आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लिया है। पीड़ति महिला ने 9 जनवरी 2026 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि स्वास्तिक चौक से साइकिल पर गुजर रही थी पीछे से बाइक सवार आरोपी ने उसका मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया जिसको राहगीरों की मदद से मौके पर काबू कर लिया गया।

धोखाधड़ी करने के मामले में काबू

अंबाला। थाना साहा पुलिस ने विदेश भेजने की धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपी वरूण को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को 2 दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज हैं। परिवादी राज सिंह ने 15 अगस्त 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि गांव हरड़ा में 14 दिसंबर 2022 से 5 जनवरी 2023 के दौरान आरोपी वरूण व अन्य ने उसके भतीजे को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम धोखाधड़ी से हड़पने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

धोखाधड़ी में एक अन्य आरोपी काबू

अंबाला। थाना पड़ाव पुलिस ने विदेश भेजने की धोखाधड़ी करने के मामले में एक अन्य आरोपी हरिंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। महिला ने 16 मई 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 20 सितंबर 2021 से 27 अक्तूबर 2021 के दौरान आरोपी हरिंद्र सिंह व अन्य ने विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

39 स्कूलों को बधाई तो 26 स्कूलों के मुखियाओं का परीक्षाओं का रिजल्ट खराब

जिला शिक्षा अधिकारी ने की बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा, 39 विद्यालय 14 को होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024–25 की बोर्ड कक्षाओं 10वीं एवं 12वीं की वार्षिक परीक्षाओं के परिणामों की खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के उपरांत यह तथ्य सामने आया कि जिले के अनेक राजकीय विद्यालयों ने अत्यंत उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम अर्जित किए हैं। जो गर्व का विषय है। 39 विद्यालयों ने तो शत प्रतिशत परिणाम दिया। हालांकि समीक्षा के दौरान यह भी पाया गया कि कुछ राजकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम अपेक्षित शैक्षणिक मानकों के अनुरूप संतोषजनक नहीं रहा। 26 विद्यालय ऐसे रहे जिनका परिणाम 75 प्रतिशत से कम रहा। मार्च 2026 में होने वाली परीक्षा में इन विद्यालयों के परिणाम में भी सुधार हो इस संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार शिक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिला शिक्षा विभाग सभी विद्यालय प्रमुखों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से यह अपेक्षा करता है कि वे आपसी समन्वय, निष्ठा एवं पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि भविष्य में किसी विद्यालय के शैक्षणिक परिणामों में अपेक्षित सुधार नहीं पाया गया, तो विभाग द्वारा नियमानुसार आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई पर भी विचार किया जा सकता है।

डीईओ सुधीर कालड़ा।

उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यालय

कक्षा 10वीं

1. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शाहपुर, अंबाला-1
2. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जनसुई, अंबाला-1
3. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सौंटा, अंबाला-1
4. राजकीय उच्च विद्यालय, उदयपुर, अंबाला-1
5. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, घेल, अंबाला-2
6. राजकीय उच्च विद्यालय, अंबाला छावनी (सब्जी मंडी), अंबाला-2
7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, करधान, अंबाला-2
8. राजकीय उच्च विद्यालय, सल्लाहरी अंबाला-2
9. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अधोया, बराड़ा
10. राजकीय उच्च विद्यालय, बिंजलपुर, बराड़ा
11. राजकीय उच्च विद्यालय, कसेरला खुर्द, बराड़ा
12. राजकीय उच्च विद्यालय, सोहाता, बराड़ा
13. राजकीय उच्च विद्यालय, शेरपुर सुलखनी, बराड़ा
14. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बधौली, नारायणगढ़
15. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भुरेवाला, नारायणगढ़
16. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बड़ागांव, नारायणगढ़
17. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भरेरी कलां, नारायणगढ़
18. राजकीय उच्च विद्यालय, हमीदपुर, नारायणगढ़
19. राजकीय उच्च विद्यालय, नन्हेड़ा, नारायणगढ़
20. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोकलगढ़, साहा
21. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पसियाला, साहा
22. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, साहा
23. राजकीय उच्च विद्यालय, ठाकुरपुर, साहा
24. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, तल्हेरी गुर्जरां, साहा
25. राजकीय उच्च विद्यालय, खानपुर, साहा
26. राजकीय उच्च विद्यालय, गणेशपुर, शहजादपुर
27. राजकीय उच्च विद्यालय, बनौंदी, शहजादपुर

कक्षा 12वीं

1. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शाहपुर, अंबाला-1
2. राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अंबाला शहर (बलदेव नगर), अंबाला-1
3. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कलेरां, अंबाला-1
4. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, करधान, अंबाला-2
5. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जफरपुर, बराड़ा
6. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरदेहरी, बराड़ा
7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुराली, नारायणगढ़
8. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नगला राजपूताना, नारायणगढ़
9. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, संबालखा, साहा
10. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालपी, साहा
11. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जटवार, शहजादपुर
12. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फतेहगढ़, शहजादपुर

असंतोषजनक परिणाम देने वाले स्कूल

कक्षा 10वीं

1. राजकीय उच्च विद्यालय अंबाला शहर (नं.7), अंबाला-1 — (गणित)
2. राजकीय उच्च विद्यालय नूरपुर-कोंकपुर, अंबाला-1 — (अंग्रेजी, एसओएस)
3. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नठगल, अंबाला-1 — (अंग्रेजी)
4. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इस्माइलपुर, अंबाला-1 — (गणित)
5. राजकीय उच्च विद्यालय दानीपुर, अंबाला-1 — (गणित)
6. राजकीय उच्च विद्यालय कलरेहरी, अंबाला-2 — (अंग्रेजी)
7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अम्बाला कैंट (मुख्य शाखा), अंबाला-2 — (गणित)
8. राजकीय उच्च विद्यालय मानकपुर, अंबाला-2 — (अंग्रेजी, गणित)
9. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय बराड़ा— (गणित)
10. राजकीय उच्च विद्यालय डूलियानी, बराड़ा — (अंग्रेजी)
11. राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बराड़ा — (गणित, विज्ञान)
12. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय मुलाना, बराड़ा — (गणित)
13. राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समलेहड़ी, साहा — (हिंदी, गणित, विज्ञान)
14. राजकीय उच्च विद्यालय लंडा, साहा — (हिंदी, अंग्रेजी, गणित)
15. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ोग, शहजादपुर — (अंग्रेजी)

कक्षा 10वीं

1. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अम्बाला कैंट (रामबाग रोड), अंबाला-2 — (अंग्रेजी)
2. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तंदवाल, बराड़ा — (गणित)
3. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डूलियाना, बराड़ा — (अंग्रेजी)
4. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धनौरा, बराड़ा — (अंग्रेजी)
5. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धीन, बराड़ा — (अंग्रेजी)
6. राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बराड़ा — (भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, एकाउंटेंसी)
7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलीपुर, बराड़ा— (अंग्रेजी)
8. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डेरा, नारायणगढ़ — (अंग्रेजी)
9. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारायणगढ़ — (गणित, राजनीति विज्ञान)
10. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पिलखनी, साहा — (अंग्रेजी)
11. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कक्कर माजरा, शहजादपुर — (अंग्रेजी)

उत्कृष्ट परिणामों पर सम्मान, कमजोर परिणामों पर असंतोष पत्र जारी

उत्कृष्ट शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले कुल 39 राजकीय विद्यालयों, उनके प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से बाकायदा एक पत्र के माध्यम से हार्दिक बधाई दी गई है। इन विद्यालयों के मुखियों को 14 जनवरी को प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा। इसके लिए इन विद्यालय प्रमुखों को इस प्रशंसनीय उपलब्धि के उपलक्ष्य में 14 जनवरी 2026 को दोपहर 1:00 बजे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। यह उपलब्धि अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणादायी सिद्ध होगी। जिन राजकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं पाया गया है, उनके संबंध में संबंधित विद्यालयों एवं शिक्षकों को असंतोष पत्र जारी किया गया है, ताकि भविष्य में इन विद्यालयों में शैक्षणिक सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

रोटरी क्लब की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ऑफिशियल विजिट संपन्न

शेष रोटरी वर्ष में प्रस्तावित गतिविधियों की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर स्थित रोटरी भवन में 7 जनवरी को रोटरी क्लब अंबाला शहर की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ऑफिशियल विजिट संपन्न हुई। इस अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 के वर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन रवि प्रकाश ने क्लब द्वारा अब तक किए गए सामाजिक सेवा प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया।

क्लब की कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने क्लब के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए, जिन पर आने वाले समय में अमल किया जाएगा। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने शेष रोटरी वर्ष में प्रस्तावित गतिविधियों की भी समीक्षा की। उनकी विजिट से क्लब के सदस्यों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सदस्यों ने गवर्नर के विचारों को न केवल रोटरी कार्यों में बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी अपनाने की प्रेरणा ली। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों के परिवारजन तथा आसपास के रोटरी क्लबों के सदस्य भी उपस्थित रहे। क्लब की ओर से डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात रोटरी भवन में लोहड़ी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष रोटेरियन राजीव अनेजा, सचिव विजय मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष अश्विनी साहनी, एजी शैलेश देवान सहित सभी रोटेरियन परिवार सहित शामिल हुए।

अंबाला। ऑफिशियल विजिट के दौरान मौजूद क्लब के पदाधिकारी।

जीवन में हिंदी का ज्यादा करें इस्तेमाल

विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित हुई विचार गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को 'विश्व हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी व काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के उप प्राचार्य प्रो. गुरविंदर सिंह ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के महत्व को बताते हुए हिंदी को अपने जीवन में अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि एक भावना है। यह हमारी जड़ों से जुड़ी हुई है। इस अवसर पर आयोजित भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिताओं में प्रत्येक विद्यार्थी ने अपनी कल्पनाओं को शब्दों में पिरोकर हिंदी की ताकत को साबित किया।

विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में रीना, नवनीत और सलोनी ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश कुमार ने मंच संचालन करते हुए हिंदी के उद्भव एवं विकास की जानकारी सांझा की। इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मंजीत कौर, डॉ. नीलम रानी तथा अन्य उपस्थित रहे।

अंबाला। विजेता छात्रों के साथ उप प्राचार्य व अन्य शिक्षक।

दहिया माजरा में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित स्वर्गीय तरुण को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

सेवा ट्रस्ट यूके (भारत) द्वारा आयोजित चार दिवसीय श्रद्धांजलि सभाओं की श्रृंखला के अंतर्गत गांव दहिया माजरा में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी स्वर्गीय तरुण कौशल की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ट्रस्ट सदस्य विनोद कुमार एवं महिला सरपंच गीता ने किया। श्रद्धांजलि सभा में ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं ने दो मिनट का मौन रखकर समाज सेवा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाले स्व. तरुण कौशल को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर सेवा ट्रस्ट यूके के प्रदेशाध्यक्ष पवन पराशर ने कहा कि स्व. तरुण कौशल एक कुशल शिक्षक एवं समर्पित समाजसेवी थे। उन्होंने सेवा ट्रस्ट यूके के चेयरमैन नरेश मित्तल के साथ मिलकर लगभग 20 वर्ष पूर्व 'लोहड़ी पर्व कन्याओं के नाम' महोत्सव की शुरुआत कर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी सोच को बदलने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की। उन्होंने बताया कि स्व. तरुण कौशल के प्रयासों से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सैकड़ों सिलाई केंद्र स्थापित किए गए, जिनसे हजारों महिलाओं और बालिकाओं को प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

बराड़ा। कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मानित करते हुए ट्रस्ट सदस्य।

कमेटी के चेयरमैन ने सुनीं सब्जी कारोबारियों की समस्याएं

सब्जी कारोबारियों को नहीं मिल रही बुनियादी सुविधाएं

जसविंद्र सिंह ने जल्द ही समाधान का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर की नई सब्जी मंडी में मार्केट कमेटी के चेयरमैन जसविंद्र सिंह उगाड़ा ने पहुंचकर सब्जी विक्रेताओं के साथ बैठक की। उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। बैठक के दौरान बड़ी संख्या में सब्जी विक्रेता मौजूद रहे।

सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि वे नियमित रूप से हर महीने मार्केट कमेटी और सरकार को निर्धारित शुल्क व अन्य देय राशि जमा करते हैं। ताकि बदले में उन्हें मंडी परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। इसके बावजूद अभी तक उन्हें मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है, इसके साथ ही उन्होंने यह भी मुद्दा उठाया कि बिना पंजीकरण वाले रेहड़ी चालक मंडी के बीचों-बीच अपनी रेहड़ियां लगा लेते हैं जिसके कारण पंजीकृत सब्जी विक्रेताओं तक ग्राहकों की पहुंच नहीं हो पाती और उनके व्यापार पर सीधा असर पड़ता है। सब्जी विक्रेताओं की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद मार्केट कमेटी के चेयरमैन जसविंद्र सिंह उगाड़ा ने उन्हें आश्वासन दिया कि इन सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जल्द ही मंडी से संबन्धी मुद्दों को पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल के समक्ष रख जाएगा और सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों से तालमेल कर एक सप्ताह के भीतर बिजली व्यवस्था, चार्जिंग पॉइंट और अवैध रूप से लगने वाली रेहड़ियों की समस्या का समाधान किया जाएगा, ताकि मंडी में व्यवस्था सुचारु हो सके और सब्जी विक्रेताओं को राहत मिल सके। इसके बाद सब्जी विक्रेताओं ने उम्मीद जताई है कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि चेयरमैन के आश्वासन के बाद इस बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही नहीं बल्कि जल्द ही जमीनी स्तर पर सुधार देखने को मिलेगा।

अंबाला। सब्जी विक्रेताओं की समस्याएं सुनते चेयरमैन जसविंद्र सिंह।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 11 जनवरी 2026

पिछला साल भारतीय कला, साहित्य व संस्कृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक रहा। साल के शुरुआत में यूनेस्को ने भारत के दो प्राचीन ग्रंथों 'श्रीमद्भगवद्गीता' और 'नाट्यशास्त्र' को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया, जोकि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान व मान्यता देता है। वहीं साल के अंतिम महीने में यूनेस्को ने भारत के प्रमुख पर्व दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। ये उपलब्धियां भारत की कला, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को विश्व में एक विशेष स्थान व मान्यता प्रदान करती हैं। कला-संस्कृति से जुड़े दिग्गज, बता रहे हैं वे इस उपलब्धि को किस तरह देखते हैं?

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

ये उपलब्धियां हासिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का पल है

पद्मश्री डॉ. भरत गुप्त
कार्यकारी उपाध्यक्ष-एनएसडी

'श्रीमद्भगवद्गीता' व 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना, हर भारतीय के लिए गौरव का पल है। 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक प्राचीन ग्रंथ है, जिसे सदियों से खूब पढ़ा जा रहा है। 'नाट्यशास्त्र' को लेकर मुझे विशेष प्रसन्नता है, क्योंकि पश्चिम के लोग अभी भी इस बात को नहीं जानते कि 'नाट्यशास्त्र' रंगमंच की व्याख्या है और इतनी व्यापक व्याख्या और कहीं नहीं है। बेशक कुछ पश्चिम के लोग नाट्यशास्त्र के विषय में जानते हैं लेकिन अब और विदेशी इसे पढ़ेंगे। दोनों ग्रंथों को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में रखवाने में आईजीएनसीए की बड़ी भूमिका रही। मैं आईजीएनसीए में ट्रस्टी हूं, हमारी पूरी टीम इस काम में लगी थी।

'श्रीमद्भगवद्गीता' दर्शन का ग्रंथ है, जिसमें कर्म, योग, ज्ञान और भक्ति की व्याख्या है। जीवन में क्या करना है, जीवन कैसे, किन मूल्य को लेकर जीना है, आप कैसे कर्म करेंगे? यह हमें गीता सिखाती है। इस तरह 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक योद्धा की किताब है। उस योद्धा की मानसिकता की मनोदशा, हम सभी की जिंदगी में कभी न कभी किसी न किसी रूप में आती रहती है। गीता हमें सिखाती है कि श्रेष्ठ जीवन कैसा हो? जीवन जैसा भी है, अच्छा, बुरा, कुछ ऊंचे पात्र, कुछ नीचे, नायक, खलनायक इन सबको दिखाने वाला ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' है। गीता के संदेश को हम बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक नाटक के माध्यम से पहुंचा सकते हैं। इन ग्रंथों को जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

दीपावली के संदर्भ में यही कहूंगा कि यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक धरोहर माना है। यह गर्व की बात है लेकिन अब हमें देखना होगा कि क्या हम दीपावली को उसके मूल स्वरूप में मना रहे हैं? साथ ही विजया दशमी के महत्व को समझें, तभी दीपावली का सही अर्थ समझ आएगा। *

भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की यह बड़ी उपलब्धि है

रोहित त्रिपाठी अभिनेता-निर्देशक, अध्यक्ष-अपस्टेज आर्ट ग्रुप

नाट्यशास्त्र को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल करना दर्शाता है कि हमारा नाट्यशास्त्र प्राचीन नाट्यमंच पद्धति है। पूरे विश्व में यह स्वीकारोक्ति हुई है कि नाट्यशास्त्र वह ग्रंथ है, जिसमें हमें मंच पर प्रस्तुत करने की सारी विधाएं प्राचीन काल से बताई गई हैं। इसे अब यानी लंबे इंतजार के बाद वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया, जबकि यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। विश्व की यह स्वीकारोक्ति हमें बताती है कि विश्व के जितने भी महान रंगकर्मी हुए, उन्होंने कहीं न कहीं हमारे नाट्यशास्त्र से गहन अध्ययन किया और अपनी एक थ्योरी बनाकर प्रकाशित की। यह बहुत खुशी की बात है कि अभी हाल ही में दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में शामिल किया गया। इससे प्रतीत होता है कि हमारी सनातन परंपरा और उसके उत्सव विश्व को आगे ले जाने में कितनी मदद करते हैं। यह हम रंगकर्मियों के लिए भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की एक बड़ी उपलब्धि है। स्वामी विवेकानंद ने इसीलिए कहा था कि समस्त विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं। हम विश्व के कल्याण के लिए काम करते हैं। यह हम सभी रंगकर्मियों के लिए गर्व की बात है कि हमारे पास नाट्यशास्त्र है। बस उसे सरलतम बनाकर प्रस्तुत करने के लिए हमारे देश के विद्वानों को आगे आना चाहिए ताकि हर रंगकर्मी तक वह उनकी सरल भाषा में पहुंच सके। वे उसे समझकर अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। *

{ आवरण कथा }

यह देश के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है

डॉ. संध्या पुरेचा अध्यक्ष-संगीत नाटक अकादमी

यूनेस्को द्वारा प्राचीन ग्रंथों 'नाट्यशास्त्र' और 'श्रीमद्भगवद्गीता' का पंजीकरण तथा दीपावली का भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में घोषित होना, भारत के लिए अत्यंत गौरव, आत्म-सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दार्शनिक दृष्टि और जीवन मूल्यों की वैश्विक स्वीकृति है।

'नाट्यशास्त्र' भारतीय कलाओं की आत्मा है। यह रंगमंच, नृत्य और संगीत का शास्त्र होने के साथ-साथ मानव भावनाओं, रस अभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध का वैज्ञानिक और सार्वकालिक ग्रंथ है। वहीं 'श्रीमद्भगवद्गीता' कर्म, धर्म, भक्ति और ज्ञान के माध्यम से मानव जीवन के लिए एक सार्वभौमिक दर्शन प्रस्तुत करती है। इन दोनों ग्रंथों को यूनेस्को में स्थान मिलना यह सिद्ध करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक और मार्गदर्शक है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता पाना भारत की लोक-आस्थाओं और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों, आशा और सद्भाव का उत्सव है, जो संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है और मानवता को सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इन उपलब्धियों का भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, कला, शिक्षा, अनुसंधान, पर्यटन तथा परंपरागत ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन पर दूरगामी प्रभाव होगा। इससे हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व को भी समझ सकेगी। संगीत नाटक अकादमी भी इस दिशा में सतत प्रयास करेगी कि हमारी परंपराएं जीवंत बनी रहें, अगली पीढ़ियों तक पहुंचे और वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण ढंग से प्रस्तुत हों। *

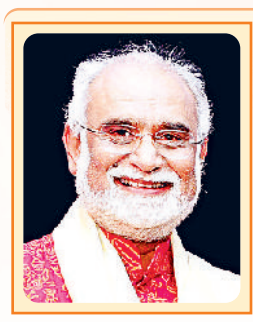

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं

डॉ. सच्चिदानंद जोशी सदस्य सचिव-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं। स्वतंत्रता से पूर्व हम गुलाम मानसिकता में जीते रहे इसलिए हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत व वैभव का अहसास नहीं हुआ। हमारी अस्मिता बोध को जगाने का काम इस समय हो रहा है। यह निरंतर प्रक्रिया चल रही है। विरासत भी विकास भी, का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस दृष्टि से देखें तो पिछला एक साल उसी निरंतर किए जा रहे कार्यों का गौरवशाली साल रहा। पहले हमने 'नाट्यशास्त्र' व 'श्रीमद्भगवदगीता' को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में दर्ज कराया। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारी परंपराएं कितनी पुरानी हैं, हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं। श्रीमद्भगवद्गीता को काफी पहले से ही विश्वभर में बहुत आदर, सम्मान के साथ पढ़ा जाता रहा है। अब जब हमारा नाट्यशास्त्र वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल होता है तो हमें पूरे विश्व को यह बताने का अवसर मिलता है कि ऐसा शास्त्र हमारे यहां दो हजार साल पूर्व लिखा गया। तब जबकि विश्व की अधिकांश सभ्यताएं इस पूरे शास्त्र के बारे में जानती भी नहीं थीं। इस दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल होना, हमें विश्व को यह बताने का अवसर देता है कि हमारे देश में पर्व मनाने की निरंतरता कितनी बड़ी है। साथ ही यह भी कि हमारे पर्व किस तरह से सर्वसमावेशी हैं। हमने किस तरह अपनी पुरातन परंपराओं को मान्यताओं को बचाकर रखा है और आगे तक बचाने का संकल्प किया है। इस तरह विश्वस्तर पर ये तीनों उपलब्धियां हमारे लिए बहुत मायने रखती हैं। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

विशेषः राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 जनवरी

स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को संपूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित किया, यहां की धार्मिक चेतना का पुनर्जागरण करने में भी भूमिका निभाई। यही नहीं लगभग सवा सदी से अधिक समय गुजरने के बाद भी स्वामी विवेकानंद, देश के युवाओं के लिए आदर्श और अद्वितीय मार्गदर्शक बने हुए हैं।

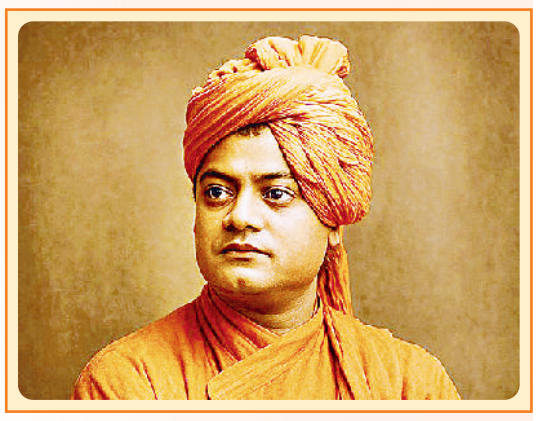

स्वामी विवेकानंद आज भी हैं युवाओं के आदर्श-मार्गदर्शक

{ प्रेरक व्यक्तित्व }
शिखर चंद जैन

ब्रिटिश शासनकाल के समय पश्चिमी देश, भारत की उपेक्षा किया करते थे। दरअसल, वे हमारे देश की अद्वितीय सनातन संस्कृति और गौरवमयी सभ्यता से परिचित ही नहीं थे। ऐसे समय में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद (बचपन का नाम नरेंद्र) ने युवावस्था में ही दुनिया में भारतवर्ष का मान बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

भारतीय संस्कृति को दिलाया मानः स्वामी विवेकानंद, भारत के पहले युवा संत थे, जिन्होंने सनातन धर्म का संदेश विश्व भर में फैलाया और इसकी महत्ता पूरे विश्व को समझाई। उन्होंने विश्व में सनातन मूल्यों, धर्म और भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को स्थापित किया और इसका मान बढ़ाया। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका स्थित शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में उनके भाषण ने दुनिया भर के धार्मिक और आध्यात्मिक संतों पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत जब 'मेरे प्यारे अमेरिकी बहनों और भाइयों' से की तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस पर उन्होंने कहा, 'जिस गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण माहौल में मेरा स्वागत किया है, उससे मेरा हृदय गद-गद है। भारत भूमि के सभी समुदायों, वर्गों, लाखों-करोड़ों भारतीयों की तरफ से मैं आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा, 'मुझे उस धर्म व राष्ट्र से संबंध रखने पर गर्व है, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिकता का पाठ सिखाया। हम न केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में विश्वास रखते हैं बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, जिसने विभिन्न राष्ट्रों के पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है।'

धार्मिक सहिष्णुता के पक्षधरः भारतीय संस्कृति के मूल भाव धर्मनिरपेक्षता को वे बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने सदैव सार्वजनिक संस्कृति के रूप में धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया, क्योंकि वे सद्भाव और शांति के पक्षधर थे। स्वामीजी, जाति या धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा करने को सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म मानते थे। उनके विचारों में धर्मनिरपेक्षता के संबंध में तुष्टिकरण के लिए कोई स्थान नहीं था। 1893 में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक व्याख्यान देने के बाद उन्होंने यूरोप का भी दौरा किया। स्वामी विवेकानंद ने देश की महान आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए एकता की भावना को प्रसारित किया।

मातृभूमि के प्रति अगाध श्रद्धाः स्वामीजी जब अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा कर चार साल बाद भारत लौटे तो उन्होंने यहां की पवित्र भूमि को साष्टांग दंडवत कर नमन किया। उनके मन में मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम था। वे कहते थे कि मातृभूमि का कण-कण पवित्र और प्रेरक होता है, इसलिए इस धूलि में रमा हुआ हूं।

परम विद्वान-विनम्र व्यक्तित्वः स्वामी विवेकानंद के बारे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने लिखा है, 'स्वामीजी इसलिए महान हैं कि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया, देशवासियों ने उनकी शिक्षाओं से अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्म-विश्वास आत्मसात किया है।' इसी ऐतिहासिक संबोधन से प्रभावित होकर प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार ए.एल. बाशम ने कहा था, 'स्वामी विवेकानंद जी को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माता के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।'

युवाओं के प्रेरणास्रोतः स्वामी विवेकानंद मानते थे कि युवाशक्ति ही देश, समाज और दुनिया को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।' वे युवाओं से भरपूर आशा और उम्मीद रखते थे। उनके लिए युवा पीढ़ी ही परिवर्तन की अग्रदूत हो सकती है। वे चाहते थे कि युवाओं में विशाल हृदय के साथ मातृभूमि और जनता की सेवा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो। वे युवाओं का आह्वान करते हुए कहते थे, 'देश में जहां भी प्लेग या अकाल का प्रकोप है, या जहां भी लोग संकट में हैं, आप वहां जाएं और उनके दुःखों को दूर करें। आप पर देश के भविष्य की उम्मीदें टिकी हुई हैं।'

स्वामी विवेकानंद, आधुनिक भारत के उन महानतम आध्यात्मिक गुरुओं और विचारकों में से एक थे, जिन्होंने न केवल भारतीय संस्कृति का विश्व भर में गौरव बढ़ाया, बल्कि युवाओं को ऊर्जा, आत्मविश्वास और चरित्र-निर्माण का एक नया मार्ग भी दिखाया। स्वामी जी का दर्शन और आदर्श भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत आज भी बना हुआ है। स्वामी विवेकानंद के सुझाए रास्ते पर चलकर ही एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्म-निर्भर भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार किया जा सकता है। *

{ कविता }
अवतार सिंह अक्षरजीवी

आगाह

ऐसा नहीं है कि आकर्षण नहीं है
मेरी आंखों में किसी के लिए,
ऐसा भी नहीं है कि मैं कह दूं कि
मेरी भावनाएं मुझे शून्य मानती हैं,
बहुत प्रेम कर लेने के बाद
प्रेम करने का जी नहीं करता
मेरा मन इस तरह का उदार भी नहीं है,
फिर क्या सत्य है?
जो प्राप्त है, उसे पाने के बाद से
लगातार खोते चले जाना
भव्यता से खंडहर हो जाना
भरी-पूरी झील से कीचड़ हो जाना
सुर मिलना, अंत में एकाकी रह जाना
मुझे प्रेम के प्रति आगाह करता है-
प्रेम को पा लेना
प्रेम के समापन की लंबी यात्रा है,
प्रेम को न पाना
प्रेम करते चले जाने की निष्क्रियता है।

{ व्यंग्य }
भूपेंद्र भारतीय

तपेली में तरी ही बची

जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है।

मंगल के साथ पिछले दिनों बड़ा धोखा हो गया। धोखा क्या कहूं, मंगल की भाषा में यह एक तरह से 'सेवा का शिकार' होने जैसा है। या कहें, ये वही धोखा था, जो एक आम राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ चुनाव के बाद जीतने वाला दल करता है। वैसे ही जैसे बड़े बाबू, चपरासी और कार्यालय के अन्य छोटे बाबुओं के साथ करते हैं, रिश्वत में आया अधिकांश माल बड़े बाबू निगल लेते हैं और अन्य के पास सिर्फ पतली तरी बचती है। सिर्फ दाल का पानी ही पानी, फिर उस तपेली में चम्मच हिलाते रहो। ऐसा ही पिछले दिनों मंगल के साथ हुआ। वह पिछले दिनों अपनी जाति के प्रतिभा सम्मान आयोजन में गया था, जिसे बड़ी होशियारी से समाजवादी ढंग में सामाजिक आयोजन कहा गया था। पहले आयोजन में सामाजिक नेताओं के द्वारा भाषणबाज प्रतिभाओं को जैसे जबरन पकड़कर सम्मानित किया गया हो। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए जातिगत नेताओं द्वारा दो शब्द कहे गए। वे दो शब्द स्वयं की प्रशंसा में ज्यादा थे।

मंगल इस आयोजन में कार्यकर्ता की भूमिका में था। उसे किसी ने बोला नहीं था। ना ही चुनावी उम्मीदवारों की सूची जैसी किसी सूची में उसका नाम था और ना ही इसके लिए उसने कोई याचिका लगाई थी। वह भावुकता में चला गया। उसे सेवा करने का भी कुछ मन हुआ था। जैसे आजकल सब तरफ सेवा के लिए लोग जाते हैं। नेतागण देश की सेवा के लिए पागल हो रहे हैं। युवा अलग तरह से सेवा करना चाहता है। जैसे राष्ट्रीय स्तर पर इस देश का युवा 'देश सेवा' के लिए गलाकाट प्रतियोगी परीक्षा पास करता है और फिर कुछ ही वर्षों में सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार के मामलों से देश के अखबारों में बड़ी-बड़ी हेडलाइन बनाता है। वहीं संसदीय और विधायी समितियों में जनप्रतिनिधि देश सेवा व नवाचार के नाम पर चार-पांच देशों की यात्रा करते हैं और जनप्रतिनिधि होने का कर्त्तव्य निभाते हैं। वैसे ही मंगल भी उस आयोजन में सेवा के लिए चला गया। जैसे युवा शुरू-शुरू में राजनीतिक-सामाजिक आंदोलनों में जाता है और भीड़ का शिकार हो या तो भावुकता में अपने हाथ-पैर तुड़वा लेता है या फिर पुलिस थाने के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराकर राजनीति का स्थाई खिलाड़ी बन जाता है।

मंगल को भी लगा कि बड़े आयोजन में उसके हाथ कुछ तो आएगा। उसके जीवन में भी कुछ मंगल हो जाएगा। जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की सेवा से मंत्रीजी जनसेवा करते हैं। उसे भी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में आने का रोग चढ़ा। उसे भी लगा, समाज सेवा करने पर गाढ़ी तरी व साग दोनों का आनंद मिलेगा। वह भी अब नया कुर्ता-पायजामा पहनकर समाज सेवा की तपेली में अपनी सेवा रूपी चम्मच हिलाने गया था। उसने पढ़ा था, इस सेवा के लिए आजादी से पूर्व और उसके बाद बड़े-बड़े लोग, अपनी जमी-जमाई वकालत, व्यापार, जागीरदारी आदि छोड़कर इस सेवा में कूद पड़े थे। तो भला मंगल अपने समाज के आयोजन में टाट-पट्टी बिछाने से लेकर भोजन परोसने तक का काम क्यों नहीं कर सकता? आगे मंच और माइक भी मिलेगा। पूर्व में तो उसके जैसे कार्यकर्ताओं द्वारा समाज सेवा के लिए प्राण तक न्यौछावर कर दिए। क्या उन्होंने कम तरी-साग का आनंद उठाया? कैसे मालामाल हो गए! जैसे वे इस सेवा के लिए ही बने हों।

मंगल की मानें तो उस आयोजन में वह समाज सेवा के भाव से गया था। लेकिन उसका भाव वही था, जो अधिकांश सामाजिक संगठनों का रहता है। समाज में दबे-कुचले लोगों की सेवा के नाम पर सरकार से अनुदान की तरी-साग दोनों का आनंद उठाते हैं। मंगल सबको साग-तरी परोसता है। उसने सोचा यह सब मुझे भी मिलेगा। उसे भी दूसरे कार्यकर्ता तरी वाली साग परोसने आएंगे। जैसे मतदाता पांच साल में एक बार मतदान करने जाता है तो उसे लगता है कि देश अब उसके मत से चलेगा। लेकिन परिणाम देखकर कुछ दिनों में उसका मत बदल जाता है। और देश की राजनीति अपने मद में चलने लगती है। सत्ता के हाथी की चाल में उसकी आवाज दब जाती है। कहां तो वह दबे-कुचलों की आवाज उठाने आया था और चुनाव बाद वह स्वयं दबा-कुचला-सा हो जाता है।

धीरे-धीरे वह तरी-साग की सच्चाई जानने लगता है। कौन तरी खा रहा है और किसके हिस्से साग आता है? और अंत में बड़ी जनसंख्या को सिर्फ साग के पतले पानी से ही संतुष्ट होना पड़ता है। जैसे उस दिन मंगल ने बहुत मेहनत की थी। भाग-भाग कर सबको भोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा की। जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

काव्यात्मक गद्य में लेखिका के मनोभाव

वर्तमान हिंदी कविता परिदृश्य में नीलेश रघुवंशी एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कविता से इतर उनके द्वारा रचित दो उपन्यासों को भी बहुत पसंद किया गया है। अब हाल में प्रकाशित होकर आई पुस्तक 'गद्य का पानी' में उनके काव्यात्मक गद्य की रवानगी देखते ही बनती है। यह किसी एक विधा की सीमाओं में बंधी किताब नहीं है। यहां कई विधाओं का ऐसा मनोरम कोलाज नजर आता है, जो हमें लेखिका के भावजगत में उतरने, उनकी रचनात्मकता को बिल्कुल करीब से महसूसने और उनकी महीन संवेदनाओं को स्पर्श करने का रास्ता मुहैया कराता है। चार खंडों में बंटी इस किताब में नीलेश अपने अतीत से लेकर वर्तमान में आवाजाही करती नजर आती हैं। 'मन की चिट्ठी' खंड में वे मन, जीवन और समाज के विभिन्न तलों में उतरकर सृजन के रहस्य तलाशती हैं तो 'गद्य का पानी' खंड में अपने कुछ प्रिय रचनाकारों के सृजन जगत से गुजरते हुए, उत्पन्न विचारों को भी संजोती चलती हैं। उनके कुछ संस्मरणों और यात्रा संस्मरणों को 'आवारगी' खंड में पढ़ सकते हैं। अंतिम खंड 'जनरल बोगी' में संकलित उनके कुछ वक्तव्य और टिप्पणियां, हमें रचनाकार की अबूझ-अनदेखी सी सृजन भूमि में झांकने का झरोखा उपलब्ध कराती हैं। कहना चाहिए कि यह पुस्तक, पाठक को कई विधाओं से तैयार किश्ती के जरिए लेखिका के काव्यात्मक गद्य के अप्रतिम प्रवाह का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है। *

पुस्तकः गद्य का पानी,
लेखिकाः नीलेश रघुवंशी,
मूल्यः 399 रुपए,
प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

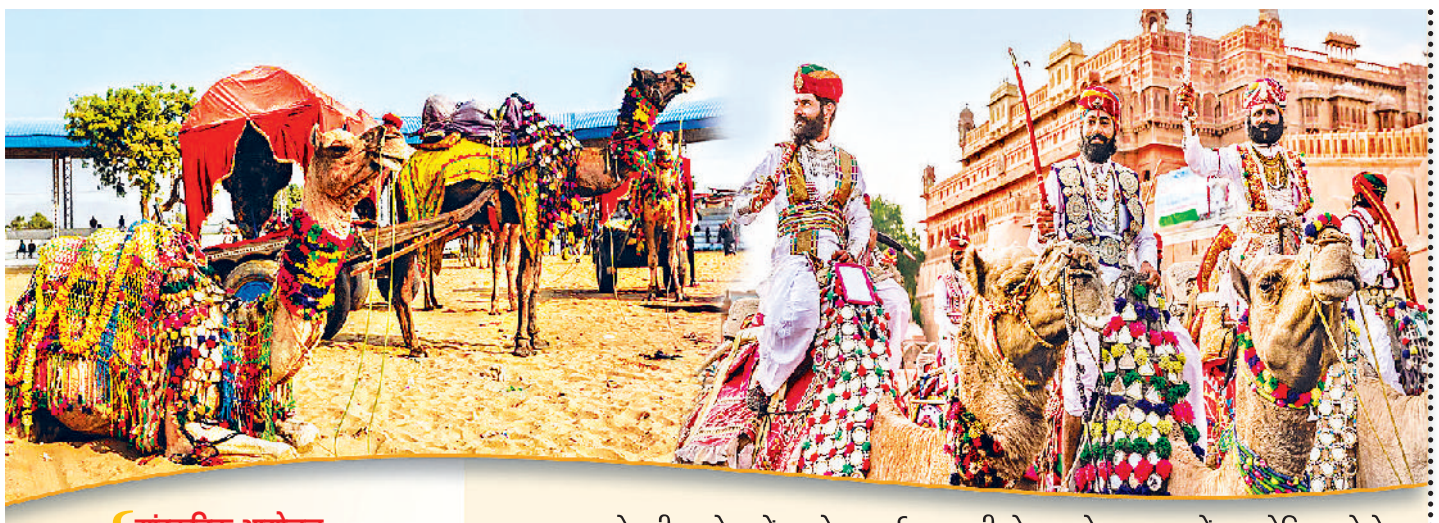

सांस्कृतिक आयोजन
धीरज बसाक

राजस्थान के बीकानेर में प्रत्येक वर्ष जनवरी के दूसरे सप्ताह में आयोजित होने वाला ऊंट महोत्सव, दुनिया भर में प्रसिद्ध है। 'रेगिस्तान का जहाज' कहे जाने वाले ऊंट के महत्व को दर्शाते और राजस्थान की लोक संस्कृति की झलक दिखाते इस महोत्सव की कुछ विशेषताओं के बारे में यहां बता रहे हैं।

लोक जीवन-संस्कृति की झलक दिखाता राजस्थान का बीकानेर ऊंट महोत्सव

बीते दो दिनों से राजस्थान के बीकानेर में चल रहे वार्षिक ऊंट महोत्सव-2026 का आज अंतिम दिन है। राजस्थान की मरुस्थलीय आत्मा, जब परंपरा-लोकजीवन और आधुनिक समय से संवाद करती है, तब बीकानेर ऊंट उत्सव जैसा अनूठा सांस्कृतिक महोत्सव जन्म लेता है। यह केवल पर्यटन आयोजन भर नहीं है बल्कि उस सभ्यता का उत्सव है, जिसने ऊंट को जीवन-सहचर बनाया है।

जीवंत संवाद रचता महोत्सवः मानव सभ्यता के विकास क्रम में शुरू से ही ऊंट बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं। विशेष तौर पर राजस्थान के लोक जीवन की बात करें तो ऊंट, यहां के लोगों की यात्राओं, व्यापार, सुरक्षा और जीविका के हर मोड़ पर सहचर के रूप में मिलता है। ऊंटों की इसी प्रासंगिकता और उनकी सांस्कृतिक उपस्थिति को राजस्थान की विशिष्ट संस्कृति के रूप में देश और दुनिया के पर्यटकों के सामने प्रस्तुत करता है बीकानेर में हर साल आयोजित होने वाला यह ऊंट महोत्सव। यह उत्सव राजस्थान की परंपरा एवं संस्कृति को मंच देता है और वर्तमान से उसका जीवंत संवाद रचता है।

वर्तमान-अतीत की झलकः राजस्थान के थार इलाके में सदियों से ऊंट, जीवनरेखा का महत्वपूर्ण अंग रहा है। यात्रा, व्यापार, कृषि और रक्षा, हर क्षेत्र में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। बीकानेर रियासत के दौर में ऊंटों की नस्ल सुधार, उनकी साज-सज्जा और प्रशिक्षण की एक विलक्षण परंपरा विकसित हुई, जिसने आगे चलकर ऊंट उत्सव की आधुनिक प्रस्तुति की रूपरेखा तय किया। यह उत्सव न सिर्फ लोकस्मृति और लोकसंस्कृति को मंच देता है बल्कि नई पीढ़ी को भी अपनी परंपरा से जोड़कर रखता है। उत्सव के दौरान सजे-धजे ऊंटों की भव्य परेड, ऊंट नृत्य, ऊंटों की सौंदर्य प्रतियोगिता और कौशल प्रदर्शन जैसी गतिविधियां मिलकर रेगिस्तान की सौंदर्य भाषा को अनंत विस्तार देते हैं। लोकसंगीत, कालबेलिया और घूमर की थाप पर जब ऊंट लयबद्ध ढंग से चलते हैं, तो लगता है समय ठहर गया है और दर्शक इतिहास के साथ वर्तमान को एक फ्रेम में देख रहे हैं।

हर गतिविधि करती है आकृष्टः भव्य ऊंट शोभा परेड, ऊंट नृत्य, ऊंट करतब, ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता, ऊंट दौड़ और कौशल प्रदर्शन, लोकसंगीत, कालबेलिया और घूमर जैसे लोकनृत्य, शिल्प, खान-पान मेला और दीप प्रज्वलन की सांस्कृतिक संध्या, इस उत्सव के मुख्य आकर्षण होते हैं। ऊंट परेड में जहां सजे-धजे ऊंटों की भव्य रंग-बिरंगी कदमताल देखने को मिलती है, वहीं ऊंट नृत्य कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित ऊंट, लोक धुनों पर लयबद्ध होकर थिरकते हैं। अपनी तरह के अनोखे आयोजन ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता के तहत ऊंटों की कद-काठी, साज-सज्जा और चाल-ढाल के आधार पर किसी एक सर्वश्रेष्ठ ऊंट को विजेता चुना जाता है। ऊंट दौड़ के कौशल प्रदर्शन में मरुस्थलीय मैदानों में गति और नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए ऊंट दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ढोलक, खड़ताल और अलगोजा की धुनों पर नृत्य करतीं राजस्थानी महिला नृत्यांगनाएं, कालबेलिया और घूमर जैसे लोक नृत्यों पर राजस्थानी लोक-संस्कृति का उत्सव प्रस्तुत करती हैं। इस महोत्सव में ऊंट के ऊनी उत्पाद, कशीदाकारी, मिट्टी के शिल्प जैसे प्रसिद्ध राजस्थानी शिल्प का उत्सव भी सजता है। खान-पान की बात करें, तो इस उत्सव में बीकानेरी भुजिया, रसगुल्ला तथा घेवर जैसे पारंपरिक व्यंजनों का पर्यटक बड़े चाव से स्वाद लेते हैं।

कई रूपों में है महत्वपूर्णः बीकानेर ऊंट उत्सव, राजस्थान और देश के सांस्कृतिक उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इससे देश की भव्य विरासत का संरक्षण भी संभव होता है। इससे ऊंट पालन, पारंपरिक साज-सज्जा और लोककला का दस्तावेजीकरण व मंचन होता है। इससे विलुप्त होती परंपराओं को नया जीवन मिलता है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक राजस्थान की लिविंग कल्चर देखते हैं, जिससे भारत की सॉफ्ट पावर को बल मिलता है। इस महोत्सव में युवाओं की भागीदारी, उन्हें आधुनिकता और परंपरा से परिचय कराता है। इन सब वजहों से ऊंट उत्सव एक अनूठा उत्सव बन जाता है।

ऊंट उत्सव के प्रमुख आकर्षणः अगर आप इस उत्सव में शामिल होने जा रहे हैं तो सुबह की परेड और शाम को होने वाले सांस्कृतिक आयोजन में हिस्सा लेने से न चूकें। इस उत्सव में आपको स्थानीयता का भरपूर रस मिलेगा, जो इस उत्सव की विशेष खूबी है। उत्सव में लोक संस्कृति, खान-पान और हस्तशिल्प का सौंदर्य देखने को तो मिलता ही है। इस उत्सव में अगर शामिल होने के लिए आप आ रहे हैं तो आस-पास के अन्य ऐतिहासिक दर्शनीय स्थलों की यात्रा करने का अवसर भी मिल जाता है। कुल मिलाकर बीकानेर का ऊंट उत्सव एक ऐसा उत्सव है, जिससे रंगीले राजस्थान की धज बनती है। *

तन-मन में करे ऊर्जा का संचार सांस्कृतिक पर्व मकर संक्रांति

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक, सांस्कृतिक महत्ता तो है ही, इसके स्वास्थ्य संबंधी कई पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। यहां जानिए, इस पर्व से जुड़ी उन परंपराओं के बारे में, जो शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को बेहतरी प्रदान करते हैं।

पर्व-महात्म्य / डॉ. मोनिका शर्मा

मकर संक्रांति केवल एक धार्मिक, सांस्कृतिक या पारंपरिक त्योहार भर नहीं है। यह सामाजिक समरसता, मेल-जोल और मदद के उन मानवीय भावों से जुड़ा उत्सव है, जिनकी आज के बिखरते भरोसे के परिवेश में बहुत अधिक दरकार है। अहम बात यह भी है कि यह उत्सव सेहत बनाने और संवारने का पाठ भी पढ़ाता है। बीते कुछ बरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने की महत्ता को हमने अच्छे से समझ लिया है। परंपरागत खान-पान और संतुलित जीवनशैली का महत्व भी अब और गहराई से समझ आया है। ऐसे में मकर संक्रांति जैसे पर्व से जुड़ी हमारी मान्यताएं और क्रिया-कलाप स्वास्थ्य सहेजने वाली हैं।

सधी दिनचर्या की अहमियतः यह त्योहार ना केवल हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है बल्कि सेहत के लिए भी कई संदेश लिए है। गुनगुनी धूप वाले इस मौसम में हमारी दिनचर्या ही बदल जाती है। यह पर्व, प्रकृति के जरिए स्वास्थ्य को सहेजने की सीख देता है। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तर दिशा में जाने से दिन बड़े होने लगते हैं और इसी के साथ वसंत ऋतु का भी आगमन होता है। मकर संक्रांति से प्रकृति भी करवट बदलती है। जो सर्दियों के बाद ऊर्जा से भरी दिनचर्या की ओर लौटने का समय होता है। ऊर्जा और उजास का यह पर्व, प्रकृति के बदलाव संग सामंजस्य बनाए हुए अनुशासित जीवन जीने की सीख देता है। आज वैज्ञानिक अध्ययन और चिकित्सकों की सलाह भी मन और तन दोनों को सहेजने के लिए सधी दिनचर्या को सबसे जरूरी बताते हैं।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी धूपः इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। यह केवल मनोरंजन भर नहीं है। पतंग उड़ाने की यह रीत सेहत से भी जुड़ी है। मौजूदा जीवनशैली में कई व्याधियां तो केवल धूप की कमी के कारण ही जड़ें जमा रही हैं। ऐसे में खुले आसमान तले छत पर पतंग उड़ाना और सूर्य की किरणों का सीधे हमारे शरीर के संपर्क में आना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अब तो वैज्ञानिक भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि धूप में बैठने से शरीर को विटामिन-डी मिलता है। कई तरह के कीटाणु खत्म होते हैं और मन भी अवसाद से दूर रहता है। नींद अच्छी आती है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह प्राकृतिक उजास समग्र जीवन को संवारती है। मनोभावों में संतुलन लाती है। अवसाद और थकान को दूर कर ऊर्जावान जीवनचर्या से जोड़ती है।

बेहतर होती है मानसिक सेहतः सर्दियों का मौसम एक ठहराव लाता है, जिसमें मन अनमना सा रहता है। संक्रांति पर्व से मौसम का बदलाव और खिली धूप की रंगत मन को सुकून देती है। यही वजह है कि यह पर्व मन की सेहत को बेहतर बनाने वाला भी है। यह प्रकृति का आभार जताने का पर्व भी है। साथ ही सूर्य की उपासना का यह पर्व, यह भी सिखाता है कि हम देना सीखें। क्योंकि सूर्य अपना प्रकाश, ऊर्जा और रोशनी की सौगात पूरे संसार को बिना किसी भेदभाव के बांटता है। माना जाता है कि सूर्य का उत्तर दिशा में होना भी आध्यात्मिक रूप से काफी महत्व रखता है। उत्तरायण में सूर्य के होने से व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है। इस समय खिली धूप से मन को सकारात्मकता की उजास मिलती है। सूरज की किरणें पड़ने पर अच्छा महसूस कराने वाले हार्मोन, सेरेटॉनिन और एंडोर्फिन का स्राव बढ़ता है, जिससे हमारे मन को खुशनुमा अहसास की सौगात मिलती है।

त्योहारी आहार से बढ़े इम्यूनिटीः देश भर में लोग मकर संक्रांति के त्योहार पर तिल, मूंगफली, गुड़, चावल और उड़द की दाल जैसे आहार का सेवन करते हैं। इन सभी चीजों में सबसे ज्यादा महत्व तिल को दिया जाता है, जो शरीर को निरोग रखता है। मकर संक्रांति के पर्व पर जिन चीजों को खाने में शामिल किया जाता है, वे पौष्टिक होने के साथ ही साथ शरीर को ऊर्जा देने वाले भी होते हैं। इस पर्व पर खाई जाने वाली लगभग सभी चीजें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली हैं। समझना मुश्किल नहीं कि सांस्कृतिक विरासत ही नहीं सेहतमंद रहने के मोर्चे पर भी यह त्योहार बहुत महत्वपूर्ण है। आध्यात्मिक ही नहीं वैज्ञानिक आधार भी लिए है। समझना जरूरी है कि बिखरते मन-जीवन के इस दौर में तो सामाजिक और वैज्ञानिक चेतना जगाने वाले ऐसे पर्वों की सार्थकता और बढ़ गई है। *

सजेशन
नरेंद्र कुमार

डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर होना, आज कामयाबी की सबसे जरूरी मेरिट बन गई है। आज हर जगह जिस योग्यता की सबसे ज्यादा डिमांड है, वह डिजिटल टेक्नोलॉजी ही है। इस बारे में आपको पता होना चाहिए।

प्रोफेशनल सक्सेस के लिए जरूरी है डिजिटल स्मार्टनेस

आज के दौर में प्रोफेशनल सक्सेस सिर्फ डिग्री, अनुभव या पुराने सर्टिफिकेट पर निर्भर नहीं करती है। वास्तव में प्रोफेशनल सक्सेस की परिभाषा अब बिल्कुल बदल चुकी है। कंपनियों से लेकर स्टार्टअप तक हर जगह अब जिस एक चीज की योग्यता सबसे ज्यादा समझी जाती है, वह है डिजिटल स्मार्टनेस। इसलिए डिजिटल टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट होना जरूरी है।

आज के दौर की जरूरतः पिछले एक दशक से प्रोफेशनल वर्ल्ड में जितना तेज बदलाव हुआ है, पिछले 50 सालों में उतना बदलाव किसी क्षेत्र में नहीं हुआ। एआई आटोमेशन, रिमोट वर्क, एप इकोनॉमी ने लगभग हर सेक्टर की कार्यशैली को एक नई दिशा दी है। दरअसल, अब लगभग सभी सेक्टर्स में पेपर वर्क बहुत कम होता है। अधिकांश काम डिजिटल स्क्रीन पर ही होते हैं, इसलिए हर सेक्टर का वर्किंग सेंटर डाटा बन चुका है। मीटिंग्स अब ऑफिस में आमन-सामने बैठकर कम, ऑनलाइन ज्यादा होती हैं। इसलिए टेक एक्सपर्ट एंप्लॉइज ही कंपनी की पहली पसंद बन गए हैं। ऐसे में अगर अपने करियर में निरंतर आगे बढ़ना है तो डिजिटल स्किल में दक्षता हासिल करिए, यही एकमात्र आगे बढ़ने का जरिया है। आपके पास एकेडमिक कोई भी डिग्री हो, अगर आपमें डिजिटल स्किल नहीं है तो याद रखिए कि आसानी से नौकरी नहीं मिलने वाली। अगर मिल भी गई तो आप अपने करियर में बहुत आगे तक ग्रो नहीं कर पाएंगे।

हर सेक्टर के लिए है जरूरीः प्रोफेशनल करियर कोई भी हो, लेकिन आज हर सेक्टर के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी जरूरी हो चुकी है। फिर चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, कृषि क्षेत्र हो, बैंकिंग हो, पत्रकारिता हो, कानून हो, बिजनेस या इंजीनियरिंग हो, हर क्षेत्र डिजिटल टेक्नोलॉजी से ही संचालित होता है। इसलिए आज किसी भी करियर के लिए ये क्षमताएं जरूरी हैं। जानकारी खोजने की डिजिटल क्षमता, ई-मेल हैंडलिंग, ऑनलाइन कम्युनिकेशन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, एआई टूल्स का उपयोग, एक्सेल पावर, वीआई जैसे डाटा टूल्स, टीम वर्क के लिए जूम, स्लैक, टीम्स जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल, सोशल मीडिया और डिजिटल ब्रांडिंग जैसी स्किल्स जो व्यक्ति अपने करियर में नहीं अपनाता या अपनाने की क्षमता नहीं रखता, तो समझिए वो मॉडर्न जॉब मार्केट से आउटडेटेड हो जाएगा।

एआई को बनाएं अपना कुलीगः बीते कुछ वर्षों में एआई, हर प्रोफेशनल सेक्टर में हमारा कुलीग बनने के दौर में प्रवेश कर चुका है। एआई अब सिर्फ मशीन टूल नहीं, कई कामों में मददगार बन चुका है। एआई अब प्रोफेशनली आगे बढ़ने में बहुत हेल्पफुल हो सकता है। यह ऐसे तरीकों से आपकी मदद कर सकता है, जिसके बारे में पहले कभी सोचा भी नहीं गया था। प्रेजेंटेशंस को तैयार करना, प्रोजेक्ट की प्लानिंग करना, कोड-ऑटोमेशन, इंटरव्यू की तैयारी और नए स्किल्स सीखने में यह बहुत हेल्पफुल साबित हो रहा है। आज एआई के उपयोग करने वाले प्रोफेशनल रूटीन वर्क को दूसरे लोगों के मुकाबले 40 से 50 फीसदी कम समय में कर लेते हैं। जाहिर है, दूसरों से ज्यादा प्रोफेशनल ग्रोथ कर पाते हैं। इसलिए अपने करियर में मनचाही कामयाबी चाहते हैं, लेकिन अभी तक डिजिटल टेक्नोलॉजी में दक्ष नहीं हैं तो बिना देर किए सबसे पहले इसमें दक्षता हासिल कर लें।

हर सेक्टर के लिए अलग डिजिटल टूलः आज कंपनियां अपने लिए एंप्लॉइज रिक्रूट करते समय यह नहीं पूछतीं कि आप कंप्यूटर जानते हैं या नहीं बल्कि पूछते हैं, आप कौन-सा डिजिटल टूल कितनी दक्षता से इस्तेमाल कर सकते हैं? क्योंकि आज कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए कोई विशेष डिजिटल स्किल न मौजूद हो। जरा इन कुछ डिजिटल तकनीकों पर नजर दौड़ाइए और फिर सोचिए इनमें से किस टूल में दक्ष होना आपके प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए जरूरी है। जैसे-डाटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी बेसिक्स, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, ऑटोमेशन टूल्स, एक्सेल एडवांस, ग्राफिक-वीडियो टूल, सीआरएम/ईआरपी सॉफ्टवेयर, एआई सपोर्ट, वर्क फ्लो आदि। इन सारे के सारे टूल्स को ऑपरेट करना अब प्रोफेशनल मेरिट लिस्ट का आधार बन चुका है और करीब-करीब हर क्षेत्र की जॉब का हिस्सा बन चुका है।

पावरफुल है डिजिटल नेटवर्किंगः अब नॉर्मल रेज्यूमे से कहीं ज्यादा लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म शक्तिशाली साबित हो रहे हैं। यहां की आपकी तस्वीर, प्रोफाइल, पोस्ट, कमेंट, बातचीत, सब आपकी डिजिटल पहचान बनाते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के बहुत फायदे हैं। इससे अच्छे प्रोफेशनल अवसरों तक सीधे पहुंच बनती है। इंडस्ट्री लीडर से सीधा संवाद होता है। कई तरह की नौकरियों का पता चलता है। किसी खास प्रोजेक्ट और फ्रीलांस काम करने का भी अवसर मिलता है। इसके जरिए हर प्रोफेशनल अपने आप में सेल्फ ब्रांड बन सकता है, यह कंसेप्ट भी डिजिटल मीडिया से ही आया है। आज 50 प्रतिशत से ज्यादा कॉर्पोरेट जॉब्स डिजिटल रेफरल या नेटवर्क से मिल रही हैं और यह आंकड़ा यहां रुका नहीं है, लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्यों डिजिटल टेक्नोलॉजी में दक्षता आज की सबसे बड़ी जरूरत बन गई है।

ई-लर्निंग के खुले रास्तेः आज सफल करियर का मंत्र है, 'जो सीखना बंद कर देता है, वह आगे बढ़ना भी बंद कर देता है।' डिजिटल टेक्नोलॉजी की सबसे बड़ी देन है, ऑनलाइन सीखने की असीमित आजादी। कोरसेरा, उडेमी, एनबीटीएल, गूगल सर्टिफिकेट्स, यू-ट्यूब पर उपलब्ध कोर्सेस, आज ऐसे अनेक प्लेटफॉर्म है, जहां जबर्दस्त असीमित ज्ञान है। लेकिन अगर आप डिजिटल टेक्नोलॉजी से अंजान हैं, तो यह सारा ज्ञान आप नहीं पा सकते हैं। इसलिए आपका रेग्युलर डिजिटल नॉलेज से खुद को अपडेट करते रहना जरूरी है। *

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी फिल्म निर्माण के आरंभिक दौर से ही साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। हालांकि इन फिल्मों की सफलता का प्रतिशत कम ही रहा है। इसकी प्रमुख वजहों के साथ यहां कुछ ऐसी फिल्मों पर भी नजर डाल रहे हैं, जो साहित्यिक कृतियों पर आधारित रहीं।

साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्में कम हुईं सफल-अधिकांश रहीं असफल

किसी भी साहित्यिक कृति पर आधारित फिल्म बनाने के लिए फिल्म के निर्माता-निर्देशक और स्क्रिप्ट राइटर का उस साहित्यिक कृति के मूल भाव को समझना पहली शर्त होती है। कथाकार की भावना को समझना, उसमें मनोरंजन का पक्ष ढूंढ़ना और सबसे बड़ी बात, यह पता लगाना कि जब यह पर्दे पर आएगी तो इसे दर्शक स्वीकारेंगे या नहीं, इन बातों को जानना-समझना बहुत जरूरी है।

शुरुआत से बन रहीं साहित्यिक फिल्मेंः साहित्य और सिनेमा दोनों ही अलग विधाएं हैं। लेकिन फिल्म निर्माण के आरंभिक दौर से ही साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। हां, इस तरह की साहित्य-आधारित फिल्में संख्या की दृष्टि से कम जरूर बनी हैं। हिंदी की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' भी भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक 'राजा हरिश्चंद्र' पर आधारित थी। बाद में प्रेमचंद की कई कालजयी कृतियों पर फिल्में बनाई गईं। कुछ फिल्में चलीं, तो कुछ को दर्शकों ने नकार दिया। साहित्यिक कृतियों पर फिल्में बनाने के अब तक कई प्रयोग हुए, पर ज्यादातर को सफलता नहीं मिली! जितना किसी साहित्यिक कृति को पसंद किया गया, उस पर बनी फिल्में उतनी सफल नहीं रहीं।

'रेणु' की कहानी पर बनी 'तीसरी कसम'

साहित्यिक कृति पर आधारित यादगार फिल्मेंः बॉलीवुड में साहित्यिक रचनाओं पर आधारित कुछ फिल्मों की बात करें तो प्रेमचंद के उपन्यास 'गोदान' पर इसी नाम से बनी फिल्म, फणीश्वर नाथ रेणु की कहानी पर बनी 'तीसरी कसम', महाश्वेता देवी की कहानी पर बनी 'रुदाली', विमल मित्र के उपन्यास पर बनी 'साहब, बीवी और गुलाम', रवींद्र नाथ टैगोर की कहानी 'नष्टनीड़' पर सत्यजीत रे की फिल्म 'चारुलता', ये कुछ यादगार फिल्में हैं। भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास 'चित्रलेखा' पर केदार शर्मा ने फिल्म बनाई, जो सफल भी रही। कमलेश्वर की कृतियों पर आधारित गुलजार द्वारा बनाई गई फिल्में 'आंधी' और 'मौसम' की गिनती भी साहित्य पर आधारित बेहतरीन फिल्मों में होती है। बांग्ला फिल्मकार बासु चटर्जी ने राजेंद्र यादव के उपन्यास पर आधारित 'सारा आकाश' और मन्नू भंडारी की कहानी 'यही सच है' पर आधारित 'रजनीगंधा' जैसी प्रशंसनीय फिल्में बनाई। शरतचंद्र के उपन्यासों पर भी फिल्में बनीं, जिनमें 'देवदास' भी शामिल है।

नहीं चलीं साहित्य पर आधारित ये फिल्मेंः साहित्य पर आधारित कई ऐसी फिल्में बनीं, जिसे आशानुकूल सफलता नहीं मिली। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' पर भी फिल्म बनी। आचार्य चतुरसेन शास्त्री के उपन्यास 'धर्मपुत्र' पर बीर.आर. चोपड़ा ने फिल्म बनाई। कहानीकार राजेंद्र सिंह बेदी की कृति 'एक चादर मैली सी' पर भी फिल्म बनी, पर वह भी अपेक्षा के अनुसार नहीं चली। इन फिल्मों के असफल होने का एक कारण संभवतः यह भी था कि फिल्मकार और कलाकार लेखक के मर्म को पकड़कर उसे पर्दे पर ठीक से उतार नहीं पाए! हाल के वर्षों में कथाकार काशीनाथ सिंह की मशहूर कृति 'काशी का अस्सी' पर चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने फिल्म 'मोहल्ला अस्सी' बनाई, पर यह फिल्म भी दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतरी। अपने संवादों को लेकर फिल्म विवादों में फंसी सो अलग।

मन्नू भंडारी की कहानी पर बेस्ड 'रजनीगंधा'

साहित्य और सिनेमा में होता है अंतरः साहित्य किसी दृश्य या घटना की जो व्याख्या या विश्लेषण करता है, हर पाठक के पास वही पहुंचता है। पाठकों के स्तर में अंतर के आधार पर उसका प्रभाव भी अलग-अलग होता है। जबकि सिनेमा, दृश्य माध्यम होता हैं। उसके पास व्याख्या और विश्लेषण की सुविधा बहुत कम होती है। साहित्य में जो व्याख्या उसके प्रभाव को बढ़ा देती है, उसी व्याख्या की कोशिश सिनेमा के असर को कमजोर कर देती है। जो विवरण साहित्य की ताकत होता है, वही सिनेमा की कमजोरी बनकर सामने आता है। साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पाठक इसे पढ़ते हुए अपनी कल्पनाशक्ति से दृश्यचित्र बनाता है। जबकि सिनेमा में दर्शक को डायरेक्टर की कल्पनाशक्ति देखनी पड़ती है।

प्रभाव छोड़ने में असफल रही 'मोहल्ला अस्सी'

कमलेश्वर के उपन्यास पर आधारित फिल्म 'आंधी'

होती हैं व्यावसायिक बाध्यताएंः हर फिल्म के पीछे व्यावसायिक दबाव भी काम करता है। ये दबाव भी होता है कि मनोरंजन के बीच साहित्यकार की सोच, उसकी कृति के साथ भी पूरा इंसाफ हो। साहित्यकार अपनी कल्पना शक्ति से पाठकों को जिस कहानी से रूबरू करवाता है, फिल्मकार उसे उतनी ईमानदारी से पर्दे पर उतार भी पाता है या नहीं, ये भी ध्यान रखने वाली बात है। एक ही कहानी को अलग-अलग पाठक अपने मानस में अलग प्रभाव के साथ लेते हैं। जबकि फिल्मकार को उसे हर दर्शक के नजरिए से सजाना पड़ता है। इन्हीं कारणों से अधिकांश मशहूर साहित्यिक कृतियों के फिल्मी प्रयोग खास सफल नहीं हो पाए। इसे हिंदी फिल्मों का दुर्भाग्य ही माना जाना चाहिए कि फिल्मकारों और फिल्म से जुड़े अधिकांश लोगों का साहित्य से कोई सरोकार नहीं रहा, जबकि अन्य क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं में बनी कई फिल्में, साहित्यिक कृतियों से जुड़ी रहीं। हम उम्मीद कर सकते हैं आने वाले समय में शायद फिल्मकारों की नजर अच्छी कहानियों पर पड़े, वे उन्हें पर्दे पर सफलतापूर्वक उतार सकें और इस तरह की फिल्में सफल भी हों। *